v/;{k d lkFk ckrphr

ckj&ckj iNs tkus oky i'u

Øekd	i'u	mÙkj	e[; 'kCn
1.	क्या सतत एवं व्यापक मूल्यांकन का अर्थ सतत परीक्षाएं और दत्तकार्य हैं?	सीसीई में निहित पदबंध 'सतत' की आशय मूल्यांकन में आवधिकता और नियमितता है। इसका यह अर्थ नहीं है कि परीक्षाएं बार–बार आयोजित की जाएंगी तथा दत्तकार्य दिए जाएंगे। इसके विपरीत, सीसीई की स्कीम परीक्षा की यांत्रिक प्रणाली को हतोत्साहित करती है। इसमें अनौपचारिक तथा औपचारिक विन्यासों में आकलन के लिए विभिन्न उपकरणों और तकनीकों के नियोजन की परिकल्पना की गई है जो कहीं अधिक रूचिकर, प्रासंगिक और अर्थपूर्ण हैं तथा ये सीखने वालों को अधिकाधिक प्रतिभागिता और ज्यादा से ज्यादा सीखने की प्रक्रिया में शामिल करते हैं।	सीसीई स्कीम
2.	छात्रों का तनाव कम करने में सीसीई किस प्रकार मदद करेगी?	सीसीई निम्न तरीकों से छात्रों के तनाव को कम करेगीः– • विषय–वस्तु के छोटे भागों पर नियमित सामयिक अंतरालों पर छात्र की सीखने की उन्नति की पहचान करना। • विभिन्न छात्रों की अधिगम आवश्यकताओं तथा क्षमता पर आधारित शिक्षण के विविध उपचारात्मक उपायों को क्रियान्वित करना। • सीखने वालों के निष्पादित कार्य पर नकारात्मक टिप्पणियां करनी बंद करना। • विभिन्न शिक्षण उपकरणों और तकनीकों के प्रयोग के माध्यम से अधिगम को प्रोत्साहित करना। • अधिगम प्रक्रिया में सीखने वालों को सक्रिय रूप से शामिल करना। • ऐसे छात्रों की विशिष्ट योग्यताओं की पहचान करना तथा उन्हें प्रोत्साहित करना जो शैक्षणिक	तनाव में कमी

		क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं, परंतु अन्य सह–पाठ्यक्रम संबंधी क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन करते हैं।	
3.	क्या मेरे बालक के लिए यह सही है कि वह अपनी पाठ्यपुस्तकों को पढ़ने के स्थान पर नृत्य, संगीत और प्रोजेक्ट बनाने पर अधिक समय व्यतीत करे?	शिक्षा किसी व्यक्ति–विशेष के व्यक्तित्व के सभी पहलुओं के विकास की मांग करती है, जिसमें ज्ञानात्मक, भावात्मक और स्नायविक मनोवैज्ञानिक क्षेत्र भी शामिल हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सीखने वालों की रूचियों, शौक और पसंद के विकास पर अधिक ध्यान तथा बल नहीं दिया जाता है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता पर ध्यान केन्द्रित किए जाने के परिणामस्वरूप व्यक्तित्व का एकतरफा विकास होता है। अतः यह अनिवार्य है कि संगीत/नृत्य, कला, नाटक जैसे सह–पाठ्यक्रम संबंधी क्रियाकलापों और व्यक्ति की रूचि के अन्य क्षेत्रों में प्रतिभागिता को पर्याप्त महत्व दिया जाना चाहिए। इससे जीवन अधिक परिपूर्ण और आनंददायक बनने की संभावना होती है।	सह–पाठ्यक्रम संबंधी क्रियाएं
4.	क्या सीसीई रिपोर्ट कार्ड पर उस व्याधि का उल्लेख करना आवश्यक है, जिससे मेरा बालक पीड़ित है?	मस्तिष्क के स्वस्थ विकास के लिए स्वस्थ शरीर अनिवार्य है। अतः विद्यालयों से अपेक्षा की जाती है कि वे योग्य चिकित्सकों द्वारा अपने छात्रों की शारीरिक जांच एक सत्र में दो बार (जुलाई और जनवरी) कराएं। इस सामान्य जानकारी के अलावा, शारीरिक असमर्थताओं तथा दोषपूर्ण दृष्टि, दांतों का रख–रखाव, बधिरता, बीमारी के कारण दीर्घकालिक अनुपस्थिति आदि जैसी व्याधियों को भी नोट किया जाना चाहिए। विद्यालयों को परामर्श दिया जा रहा है कि वे बालक के समुचित इलाज तथा देखरेख के लिए किसी प्रमुख निरीक्षक को अभिभावकों के ध्यान में लाएं।	शारीरिक स्वास्थ्य
5.	एक कक्षा में सामान्यतः चालीस छात्र होते हैं। क्या एक अध्यापक के लिए यह संभव है कि वह एक निश्चित समयावधि में सभी छात्रों का अर्थपूर्ण तथा वस्तुनिष्ठ तरीके से मूल्यांकन कर सकता है, विशेष रूप से सह–शिक्षण क्षेत्रों में?	बोर्ड ने सह–शिक्षण क्षेत्रों में मूल्यांकन के लिए विस्तृत दिशा–निर्देश तैयार किए हैं। इन क्षेत्रों में मूल्यांकन के लिए उपकरणों तथा तकनीकों को इन दिशा–निर्देशों में शामिल किया गया है। इसके अलावा, शिक्षकों को तत्संबंधी मामलों से परिचित करने के	सह–शिक्षण क्षेत्रों में मूल्यांकन

		लिए बोर्ड देश के विभिन्न भागों में प्रशिक्षण कार्यक्रमों की श्रृंखला भी आयोजित कर रहा है। तथापि, उभरती हुई चुनौतियों का सामना करने के लिए विद्यालयों तथा शिक्षकों को स्वयं ही कार्यनीतियां तैयार करनी होंगी। यह सुझाव दिया गया है कि विषयपरकता को न्यूनतम करने के उद्देश्य से सह–शिक्षण क्षेत्रों में मूल्यांकन शिक्षकों के एक दल द्वारा किया जाए।	
6.	यदि किसी शिक्षक को व्यापक रिकार्ड रखना हो, तो इस प्रयोजनार्थ प्रति कक्षा कितने शिक्षकों की आवश्यकता होगी?	पूर्व में चली आ रही प्रथा के ही अनुसार समग्र रिकार्ड का अनुरक्षण कक्षाध्यापक द्वारा तथा विषय–वार रिकार्ड का अनुरक्षण संबंधित विषय के अध्यापक द्वारा किया जाएगा। तथापि, शिक्षण तथा विशेष रूप से सह–शिक्षण क्षेत्रों में अन्य सभी अध्यापक मूल्यांकन से जुड़े रहेंगे। ऐसे रिकार्ड को व्यवस्थित ढंग से रखने के लिए प्रत्येक विद्यालय द्वारा विस्तृत कार्यनीति स्वयं ही तैयार की जाएगी। शिक्षकों की नियमावली में कुछ दिशा–निर्देश दिए गए जा रहे हैं।	सह–शिक्षण क्षेत्रों में मूल्यांकन
7.	बोर्ड को वैकल्पिक बनाने की अवधारणा अभी भी स्पष्ट नहीं हुई है?	बोर्ड द्वारा इस विषय पर हाल ही में जारी किए गए परिपत्र सं. 39 और 40 का अवलोकन करने का सुझाव दिया जाता है। इन परिपत्रों में प्रस्तावित परीक्षा सुधारों का अत्यंत स्पष्ट रूप से वर्णन किया गया है तथा नई स्कीम के विवरण तथा इनमें बोर्ड की परीक्षा को वैकल्पिक बनाने का तात्पर्य शामिल भी है। ये परिपत्र सीबीएससी की वेबसाइट **www.cbse.nic.in** पर भी उपलब्ध हैं।	सीसीई स्कीम
8.	जबकि वर्ष के दौरान इतने अधिक शिक्षणेत्तर क्रियाकलाप निष्पादित किए जाने हैं, तो क्या विभिन्न विषयों में मौजूदा पाठ्यचर्चा में कटौती की जाएगी?	वर्तमान में अथवा तत्काल नहीं। स्कीम के क्रियान्वयन तथा प्रणाली से फीडबैक प्राप्त होने के पश्चात इस मामले पर विचार किया जाएगा।	पाठ्यचर्चा में कटौती
9.	छात्र के प्रदर्शन में सुधार के लिए सीसीई कैसे सहायता प्रदान करेगी?	सीसीई शैक्षणिक सत्र की शुरूआत से ही नियमित समय अंतरालों पर छात्रों की शिक्षण संबंधी समस्याओं की पहचान करके तथा उनके शिक्षण संबंधी प्रदर्शन के संवर्धन के लिए उपयुक्त उपचारात्मक उपाय करके उनके प्रदर्शन में सुधार लाने में मदद	सीसीई स्कीम

		करती है।	
10.	विभिन्न विद्यालय विभिन्न शैक्षणिक सत्र आयोजित करते हैं। क्या सीसीई विद्यालयों को उनके शैक्षणिक सत्रों की आयोजना बनाने का लचीलापन प्रदान करेगी?	सतत और व्यापक मूल्यांकन स्कीम में सीसीई के निर्दिष्ट दिशा–निर्देशों के अनुसार विद्यालयों को उनकी स्वयं की शैक्षणिक समय–सारणियों की आयोजना बनाने का अंतर्निहित लचीलापन प्रदान किया गया है। तथापि, विद्यालयों को विद्यमान समय–सारणी तथा पद्धतियों में कुछेक रूपांतरण करने होंगे।	क्रियाकलाप समय–सारणी
11.	यह देखा गया है कि परियोजना बाजार से खरीद ली जाती है तथा मूल्यांकन के लिए प्रस्तुत कर दी जाती हैं। क्या ऐसे अनुचित प्रथा पर कोई नियंत्रण लगाया गया है?	"मैंने जो सुना, मैं भूल गया। मैंने जो देखा, उसे मैंने याद रखा। मैंने जो किया, उसे मैंने समझा।" – कुंग फू त्जू (कन्फूसियस) परियोजना कार्य का उद्देश्य सीखने वालों को कक्षा में सीखी गई बातों को विद्यालय के बाहर तक ले जाना तथा अपने जीवन में लागू करना है। बोर्ड सामूहिक परियोजना कार्य का प्रस्ताव कर रहा है तथा उसे प्रोत्साहित कर रहा है। प्रत्येक विद्यार्थी को उस परियोजना को पूरा करने के लिए योगदान देना होगा तथा उसे उसके योगदान के अनुपात में ही अंक/ग्रेड प्रदान किया जाएगा। तथापि, यह अनिवार्य है कि परियोजना कार्य को अर्थपूर्ण तथा शिक्षणोन्मुखी बनाने के लिए परियोजना कार्य की पहचान तथा चुनाव अत्यंत सावधानी के साथ किया जाए। परियोजना कार्य को प्रभावशाली ढंग से कार्यान्वित करने के लिए समूह अथवा विद्यार्थी–विशेष को अपेक्षित मार्गदर्शन पर्याप्त रूप से प्रदान किया जाए। इसकी समाप्ति के लिए उपयुक्त समयावधि का निर्णय भी पहले से ही कर लिया जाना चाहिए। विषय के अध्यापक को यह सुनिश्चित तथा सत्यापित करना होगा कि परियोजना को समूह द्वारा अथवा विद्यार्थी–विशेष द्वारा ही पूरा किया गया है, जैसाकि अपेक्षित है। एक छात्र को परियोजना देने के स्थान पर सामूहिक परियोजना को तरजीह देने से सामाजिक कौशल को प्रोत्साहन मिलेगा तथा अध्यापक द्वारा सुधार कार्य करने का बोझ भी कम होगा।	परियोजना कार्य

12.	बोर्ड की परीक्षाएं वैकल्पिक बना दिए जाने से क्या मुझे अभी भी अपने बालक के लिए गणित एवं विज्ञान में संदर्भ पुस्तकों तथा अंग्रेजी में अभ्यास पुस्तकें खरीदने की आवश्यकता होगी? क्या मुझे उसके लिए ट्यूटर भी रखने होंगे?	कक्षा दस की बोर्ड परीक्षा को वैकल्पिक करने का किसी संदर्भ में यह अर्थ नहीं है कि शैक्षिक क्रियाकलापों पर ध्यान कम कर दिया गया है। बोर्ड ने विभिन्न विषयों में एनसीईआरटी/सीबीएसई की पाठ्यपुस्तकें निर्दिष्ट की हैं। इन पाठ्यपुस्तकों के अलावा, शिक्षक भी छात्रों को विभिन्न प्रकार के एसाइनमेंट्स देंगे जिनके लिए संदर्भ पुस्तकों, लेखों तथा इंटरनेट वेबसाइटों आदि में दी गई अतिरिक्त सामग्री के परामर्श की आवश्यकता होगी। यह सुझाव दिया जाता है कि आप अपने बालक में समझने के साथ–साथ स्वाध्ययन करने की आदत विकसित करें। हालांकि, अतिरिक्त शिक्षण सामग्री का चयन अत्यंत सावधानीपूर्वक किया जाना चाहिए।	सहायक सामग्री
13.	क्या सीसीई मेरे बालक को कक्षा ग्यारहवीं में उसकी पसंद के विषयों को चुनने में मदद करेगी?	सीबीएसई वर्ष 2010 से नवीं और दसवीं कक्षाओं के लिए अभिवृत्ति परीक्षा शामिल करने की योजना बना रहा है। पहली परीक्षा फरवरी 2010 तक उपलब्ध हो जाएगी। जब तक कोई छात्र कक्षा ग्यारहवीं में पहुंचेगा, उसने कक्षा नौ की समाप्ति पर पहली बार तथा उसके पश्चात कक्षा दस की समाप्ति पर, कुल दो बार अभिवृत्ति परीक्षाएं दे दी होंगी। इन परीक्षाओं को शैक्षणिक प्रदर्शन और सीसीई छात्र की समझ के स्तर तथा प्रत्येक विषय में उसकी अभिवृत्ति के बारे में निर्णय लेने में छात्रों/अभिभावकों और अध्यापकों की मदद करेंगे तथा कक्षा ग्यारहवीं के लिए विषय चुनने में उनकी सहायता करेंगे। विद्यालयों को परामर्श दिया गया है कि वे विषय देते समय बहु–आयामी दृष्टिकोण का अनुपालन करें। अभिवृत्ति परीक्षा, शैक्षणिक परीक्षण तथा सह–शैक्षणिक उपलब्धियों, सभी को महत्व दिए जाने की आवश्यकता है। उसी विद्यालय के छात्रों को कक्षा ग्यारहवीं में प्रवेश के लिए अन्य विद्यालयों से आने वाले छात्रों की तुलना में तरजीह दी जाएगी।	कक्षा ग्यारहवीं में विषयों का विकल्प
14.	विभिन्न विद्यालयों के विविध शैक्षणिक	अपने संबद्धक विद्यालयों के मध्य	मानकों में

	मानक होते हैं। बोर्ड शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में, अथवा महानगरों में स्थित विद्यालयों में और देश के सुदूरवर्ती अथवा पिछड़े भागों में स्थित इसके संबद्धक विद्यालयों में मानकों में एकरूपता बनाने में किस प्रकार समर्थ होगा, जब कक्षा दस में विद्यालय आधारित मूल्यांकन आरंभ किया जाएगा?	मानकों में एकरूपता बनाए रखने के लिए बोर्ड ने निम्नलिखित कदम उठाए हैं:– क) विभिन्न विषयों में प्रश्न बैंक विकसित करना। ये सभी विद्यालयों में उपलब्ध कराए जाएंगे। प्रत्येक विद्यालय को दिए गए प्रश्न बैंक से प्रश्नों का चयन करते हुए अपने प्रश्न–पत्र तैयार करने होंगे। इससे मानकों की एकरूपता सुनिश्चित होगी। ख) समूचे देश में इसके संबद्धक विद्यालयों के प्राचार्यों और अध्यापकों के लिए गहन सामूहिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन ग) विद्यालयों के लिए सीसीई दिशा–निर्देश तथा विषय–निर्दिष्ट दिशा–निर्देश तैयार करना तथा उन्हें उपलब्ध कराना।	एकरूपता
15.	क्या सीसीई मेरे बालक को कक्षा बारहवीं के पश्चात प्रतियोगी परीक्षाओं को उत्तीर्ण करने में सहायता करेगी?	ऐसी आशा की जाती है कि सीसीई की स्कीम विद्यार्थियों को उनकी अभिव्यक्ति, रुचियों, पसंद तथा शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर कक्षा ग्यारहवीं में विषयों के सूचित विकल्प का प्रयोग करने में सहायता प्रदान करेगी। चूंकि सीसीई का लक्ष्य विद्यार्थी के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना है, यह आशा की जाती है कि विद्यार्थी समुचित गंभीरता के साथ प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में भाग लेने में समर्थ होंगे। यह स्पष्ट रूप से ध्यान में रखा जाए कि सीसीई की शुरूआत का अर्थ शैक्षणिक उपलब्धियों को कम बल दिया जाना बिलकुल भी नहीं है। विद्यार्थियों से अध्ययन में अच्छा प्रदर्शन करने की अपेक्षा बनी रहेगी। तथापि, अतिरिक्त जीवन–कौशलों के अर्जन के कारण, जैसे चिंतन एवं संवेदनशील कौशल, उनसे जीवन की विभिन्न परिस्थितियों से अधिक परिपक्वता के साथ निपटने की आशा की जाती है।	प्रतियोगी परीक्षाएं

16.	क) कक्षा नौ के लिए योगात्मक और रचनात्मक परीक्षा की पाठ्यचर्चा विद्यालयों में कब भेजी जाएगी? ख) क्या सीबीएसई प्रत्येक सह–शिक्षण क्षेत्र के लिए पीरियडों की सीमा निर्दिष्ट करने जा रहा है?	क) चालू सत्र के लिए कक्षा नौ के योगात्मक मूल्यांकन की पाठ्यचर्चा सीबीएसई की वेबसाइट के माध्यम से विद्यालयों को उपलब्ध करा दी गई है। रचनात्मक मूल्यांकन के लिए अलग से कोई पाठ्यचर्चा नहीं है। इसका निर्णय संबंधित विद्यालयों द्वारा निर्दिष्ट की गई पाठ्यचर्चा को उनकी सुविधा के अनुसार अलग–अलग भागों में विभाजित करके उपयुक्त रूप से लिया जाना है। ख) विद्यालयों के लिए यह अपेक्षित होगा कि वे रिपोर्ट कार्ड तथा सीसीई कार्ड की आवश्यकताओं के अनुसार सह–शिक्षण क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न क्रियाकलापों को क्रियान्वित करने के लिए आवश्यक समय के बारे में निर्णय लें। अधिकांश विद्यालयों में इन सह–शिक्षणेत्तर क्रियाकलापों में से अनेक पहले ही क्रियान्वित किए जा रहे हैं।	एसए एवं एफए के लिए पाठ्यचर्चा
17.	क्या सतत और व्यापक मूल्यांकन कार्ड कक्षा बारहवीं के पश्चात प्रतियोगी परीक्षाएं उत्तीर्ण करने में मेरी सहायता करेगा?	कृपया यह बात स्पष्ट रूप से समझ लें कि सह–शिक्षणेत्तर क्रियाकलापों में सहभागिता तथा अनिवार्य जीवन–कौशल विकसित करने का यह अर्थ नहीं है कि आपको शैक्षणिक उपलब्धियां हासिल करने के लिए अपना पूरा प्रयास नहीं करना है। कक्षा बारहवीं के बाद विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए विद्यार्थी को कक्षा नौ और दस में सीखी गई मूलभूत अवधारणाओं की ठोस समझ तथा गहन बुनियादी कौशल, सामाजिक कौशल एवं संवेदनात्मक कौशल जैसे जीवन–कौशलों का अर्जन निश्चित रूप से प्रतियोगी परीक्षाओं में तथा साथ ही आने वाले जीवन में अपनी समझ तथा प्रदर्शन में बढ़ोतरी करेगा।	प्रतियोगी परीक्षाएं
18.	सामान्यतः बोर्ड परीक्षाओं में बैठते समय छात्रों के मन में यह भावना होती है कि वे कोई बड़ी बात करने जा रहे हैं। वे बोर्ड के लिए तैयारी करने, नमूना प्रश्न–पत्रों को हल करने अथवा संदर्भ के लिए अधिक	बोर्ड ने रचनात्मक और योगात्मक मूल्यांकन पर विषय–निर्दिष्ट विस्तृत दिशा–निर्देश जारी किए हैं, जो समूचे शैक्षणिक सत्र मे विद्यार्थी को अनेक अर्थपूर्ण, सृजनात्मक और प्रासंगिक शिक्षण क्रियाकलापों को करने में व्यस्त	शिक्षण स्तर

	पुस्तकें पढ़ने के प्रति गंभीर हो जाते हैं। क्या कक्षा दस की बोर्ड परीक्षाओं को वैकल्पिक बनाने तथा सीसीई को आरंभ कर दिए जाने से यह गंभीरता कायम रहेगी?	रखेंगे। विद्यालयों से अपेक्षा होगी कि वे संकलनात्मक मूल्यांकन के लिए बोर्ड द्वारा तैयार किए गए प्रश्न–बैंक का प्रयोग करें। इसमें निश्चित रूप से ही शिक्षार्थियों की उच्च मानसिक योग्यताओं के परीक्षण पर प्रश्न भी शामिल होंगे। इसमें संदर्भ सामग्री का प्रयोग करने तथा गंभीरतापूर्वक तैयारियां करने और स्व–मूल्यांकन के माध्यम से अथवा सहपाठियों और शिक्षकों द्वारा उसके प्रदर्शन पर तत्काल फीडबैक प्राप्त करने की आवश्यकता होगी।	
19.	यदि रचनात्मक मूल्यांकन विद्यार्थियों को शिक्षण में आ रही समस्याओं की पहचान करने में शिक्षकों की मदद करता है, तो इसे उस अवस्था में विद्यार्थी के मूल्यांकन का एक भाग क्यों बनाया गया है, जब शिक्षण अभी तक योगात्मक अवस्था में है?	राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) में इस बात पर बल दिया गया है कि विद्यालय के स्तर पर, मूल्यांकन, रचनात्मक अथवा विकासात्मक प्रकृति की होनी चाहिए। इस अवस्था पर, विद्यार्थी शिक्षण की रचनात्मक अवस्था में होते हैं। वे बेहतर संकल्पनात्मक स्पष्टता के लिए चर्चा करना चाहते हैं तथा अनेक संदेहों का निवारण करना चाहते हैं। जब तक कि हम शिक्षण के बारे में शिक्षार्थी के प्रयासों, प्रदर्शन और अभिवृत्तियों का तथा उसने प्रत्येक दिन की परिस्थितियों में जो कुछ सीखा है, उसे क्रियान्वित करने की उसकी योग्यताओं का मूल्यांकन नहीं कर लेते हैं, तब तक हम उसके शिक्षण में सुधार लाने में उसकी सहायता नहीं कर सकेंगे। अतः रचनात्मक मूल्यांकन के माध्यम से नैदानिक परीक्षाओं का प्रयोग करते हुए खराब प्रदर्शन के कारणों का निदान किया जाता है तथा हस्तक्षेप करके तत्काल ही उपचारात्मक कार्रवाई की जाती है। उसके पश्चात पुनः परीक्षा ली जाती है।	रचनात्मक मूल्यांकन
20.	क्या मेरे बालक को उस समय भी सीसीई प्रमाण–पत्र दिया जाएगा, जब वह परीक्षाएं उत्तीर्ण नहीं करता है?	बोर्ड के संबद्धक विद्यालयों के उन सभी नियमित विद्यार्थियों को मार्च, 2011 परीक्षा से यह प्रमाण–पत्र जारी किया जाएगा, जिन्होंने नवीं और दसवीं कक्षाओं में इस पाठ्यक्रम में अध्ययन किया है।	सीसीई परिणाम कार्ड
21.	अगली उच्च कक्षा में प्रोन्नत होने के लिए किसी बालक को कितने अंक प्राप्त करने होंगे? क्या अनुपूरक	यदि किसी छात्र ने शिक्षण क्षेत्र के सभी विषयों में ई1 से उच्च ग्रेड हासिल किया है, तो उसे कक्षा	प्रोन्नति नियम

	परीक्षा का कोई प्रावधान है?	नौ/दस में उत्तीर्ण माना जाएगा। सुधार तथा अनुपूरक परीक्षाओं के विद्यमान प्रावधानों का अनुपालन किया जाना जारी रहेगा।	
22.	कोई छात्र सीसीई रिपोर्ट कार्ड में स्व–जागरूकता खंड कब भरेगा?	सीसीई प्रमाण–पत्र में यह एकमात्र ऐसा खंड है, जिसे कक्षा दस के शैक्षणिक सत्र की समाप्ति पर छात्र द्वारा भरा जाएगा। तथापि, यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि छात्र प्रारंभ से ही अपने लक्ष्यों तथा शक्तियों को महसूस करे। इस खंड के अर्थ तथा महत्व को समझने के लिए शिक्षक छात्रों की सहायता करेंगे। स्वयं के लक्ष्यों को महसूस करने तथा स्वयं को समझने के लिए उसे पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराए गए हैं।	स्व–जागरूकता रिपोर्ट
23.	सीसीई कार्ड में प्रतिशत रैंक क्या दर्शाता है?	शिक्षण पहलुओं के संबंध में छात्रों की उपलब्धि को तीन स्तरों के संदर्भ में मापा जा सकता है: • शिक्षण अंतरालों की पहचान करके तथा उपचार के माध्यम से प्रदर्शन में सुधार लाकर उसकी प्रगति की वर्तमान स्थिति के संदर्भ में। • शिक्षण के आशयित स्तरों के संदर्भ में। • सहपाठी समूहों की तुलना में उसकी वर्तमान स्थिति के संदर्भ में (प्रतिशत रैंक) प्रतिशत रैंक छात्रों/सहपाठी समूह के उस प्रतिशत को चिह्नित करता है, जिसे छात्र के अंकों ने पीछे छोड़ दिया है। उदाहरण के लिए, यदि किसी छात्र ने 66 अंक प्राप्त किए हैं और अपनी कक्षा में प्रतिशत रैंक 70 हासिल किया है। इसका अर्थ यह है कि छात्र की अपनी कक्षा में 70 प्रतिशत की तुलना में 66 अंक अधिक माने गए हैं।	प्रतिशत रैंक
24.	71, 75 अथवा 79 अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को एक ही ग्रेड प्रदान किया जाएगा। क्या यह औचित्यपूर्ण है? ग्रेड किस प्रकार से अंको से बेहतर सिद्ध होंगे?	संख्यात्मक अंक प्रदान करने की तुलना में ग्रेड प्रदान करने के अनेक लाभ हैं। यह अंक प्रदान करने में अंतर एवं अंतरापरीक्षक विभिन्नताओं को उल्लेखनीय रूप से कम करता है। यह मूल्यांकन के लिए प्रयोग में लाए जाने	ग्रेडिंग प्रणाली

		वाले उपकरणों की त्रुटियों का ध्यान भी रखता है। मूल्यांकन तकनीकों में किया गया सांख्यिकी शोध दर्शाता है कि छात्रों को प्रदान किए गए अंकों में 5 प्रतिशत से 15 प्रतिशत तक का अंतर होने की संभावना होती है। समान क्षमता के छात्रों को समान योग्यता बैंडों (ग्रेडों) में रखने से मूल्यांकन तकनीकों में विद्यमान इन सभी कमियों का स्वतः ही ध्यान रखा जाता है। अंत में, यह अंकों में बहुत कम अंतर होने पर की जाने वाली अवांछनीय तथा अप्रिय तुलना को भी कम करता है।	
25.	वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के लिए क्या सीबीएसई कक्षा दस और ग्यारह में आंतरिक मूल्यांकन के लिए प्रश्न–पत्र उपलब्ध कराएगा?	गणित, विज्ञान तथा सामाजिक ज्ञान में आंतरिक मूल्यांकन की स्कीम को रचनात्मक मूल्यांकन के स्वरूप में पुनर्गठित किया जा रहा है। इस संबंध में, विद्यालयों को विस्तृत दिशा–निर्देश शीघ्र ही उपलब्ध कराए जा रहे हैं। कक्षा ग्यारह में आंतरिक मूल्यांकन के लिए ऐसा कोई प्रावधान नहीं है।	आतंरिक मूल्यांकन
26.	क्या हम योगात्मक परीक्षा की उत्तर–पुस्तिकाएं छात्रों को सौंपेंगे?	विद्यालयों को परामर्श दिया गया है कि वे छात्रों के लाभ तथा संतोष के लिए उत्तर–पुस्तिकाएं छात्रों को दिखा दें। यद्यपि, वे कुछ समय तक इसका रिकार्ड बनाए रखने के लिए उन्हें वापस ले लेंगे।	उत्तर–पुस्तिकाएं
27.	मैं समझता हूं कि दशमलव में अंक नहीं दिए जाएंगे अर्थात 90.2, 90.6 ऐसे छात्रों को हम कहां रखेंगे? सीसीई की व्यावहारिक समस्याओं को निपटाने के लिए एक केन्द्रीय दल बनाया जाना चाहिए तथा कोई अधिकारी आसानी से संपर्क योग्य होना चाहिए?	यह परामर्शनीय है कि दशमलव में अंक न दिए जाएं ताकि ग्रेड प्रदान करने में ऐसी तकनीकी समस्याएं पैदा न होने पाएं। यदि ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है, तो दशमलव को पूर्ण करने के सामान्यतः स्वीकार्य मानकों का प्रयोग किया जाए अर्थात 0.49 तक को 0 के रूप में तथा 0.5 से 0.99 तक को 1 के रूप में गणना किए जाने की अनुमति होगी। जटिल तथा तकनीकी मामलों का निपटान करने के लिए एक केन्द्रीय दल बनाने का आपका सुझाव काफी अच्छा है। एक छोटा केन्द्रीय दल पहले ही गठित किया गया है जो सीसीई से संबंधित सभी मामलों पर कार्य कर रहा है। नई स्कीम के प्रभावी क्रियान्वयन के विभिन्न पहलुओं से संबंधित प्रश्नों और स्पष्टीकरणों का	ग्रेड प्रदान करना

		समाधान करने के लिए बोर्ड पहले ही एक हैल्पलाइन उपलब्ध करा रहा है।	
28.	रचनात्मक तथा योगात्मक मूल्यांकन के साथ–साथ नैदानिक मूल्यांकन को भी पर्याप्त महत्व प्रदान किया जाना चाहिए?	रचनात्मक मूल्यांकन स्वयं ही छात्रों के शिक्षण संबंधी समस्याओं वाले क्षेत्रों की पहचान करता है तथा उनका निदान भी करता है और उपचारात्मक हस्तक्षेप भी उपलब्ध कराता है।	नैदानिक मूल्यांकन
29.	प्रतिशत रैंक सीसीई रिपोर्ट कार्ड में परिलक्षित होंगे। क्या यह विद्यालय स्तर पर होगा?	जी हां, ऐसा विद्यालय स्तर पर ही होगा। बोर्ड की परीक्षाओं में मांग किए जाने पर प्रतिशत रैंक उपलब्ध कराने का प्रावधान भी किया जा रहा है।	प्रतिशत रैंक
30.	सह–शिक्षण क्षेत्रों के लिए वर्णनात्मक संकेतकों के कुछ पहलू क्या हैं?	यह–शिक्षण क्षेत्रों में मूल्यांकन के लिए वर्णनात्मक संकेतक शिक्षकों की नियमावली में शामिल किए गए हैं, जिसे सभी विद्यालयों को उपलब्ध कराया जा रहा है।	वर्णनात्मक संकेतक
31.	क्या विद्यालय सभी छात्रों के लिए प्रवीणता परीक्षा अनिवार्य बना सकते हैं? क्या उन्हें इसके लिए अतिरिक्त भुगतान करना होगा?	यह परामर्श दिया जाता है कि अभिभावकों को इस बात से अवगत करा दिया जाना चाहिए कि वे विद्यालय–आधारित मूल्यांकन की गुणवत्ता तथा स्तर में पूर्ण विश्वास रखें। विद्यालयों के लिए छात्रों हेतु प्रवीणता परीक्षा अनिवार्य बनाने की कोई आवश्यकता नहीं है।	प्रवीणता परीक्षा
32.	रचनात्मक मूल्यांकन की विशेषता यह है कि यह सीखने वालों को सुधार करने की गुंजाइश का अवसर प्रदान करती है। क्या यही इस परिवर्तन का मूलभूत आधार है?	यह एक अच्छी टिप्पणी है। मूल्यांकन का आशय छात्रों को सीखने में पेश आ रही समस्याओं के क्षेत्रों की पहचान करना, उपचारात्मक हस्तक्षेप प्रदान करना भी है, जिसके परिणामस्वरूप शिक्षण में सुधार आता है।	रचनात्मक मूल्यांकन
33.	उत्तर पुस्तिकाओं में अंक देने के विद्यालय तथा बोर्ड के पैटर्न के बीच अंतर को कैसे कम किया जाए?	बोर्ड की परीक्षाओं में उत्तर परीक्षाओं में अंक एक बेहतर रूप से तैयार की गई अंकीय स्कीम का प्रयोग करते हुए व्यवस्थित ढंग से प्रदान किए जाते हैं, जिसमें किसी उत्तर में विभिन्न मूल्य अंकों के लिए अंकों का आवंटन दर्शाया जाता है। विद्यालय के स्तर पर सभी योगात्मक मूल्यांकनों के लिए अंकीय स्कीम बोर्ड द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी।	उत्तर–पुस्तिकाओं में अंक दिया जाना
34.	शिक्षकों के प्रति अभिवृत्ति–अभिवृत्तियों के लिए मूल्यांकन के वर्णनात्मक संकेतक में छात्रों के अपेक्षित व्यवहार की 'अधिकांश समय' के रूप में व्याख्या की गई है। क्या इससे मनोवैज्ञानिक अथवा यथार्थ	किसी व्यक्ति का अंतरवैयक्तिक संबंध तथा व्यवहार एक महत्वपूर्ण सौम्य कौशल है जिसे किसी छात्र में निर्माणात्मक वर्षों के दौरान विकसित किए जाने की आवश्यकता होती है। सीसीई की स्कीम में अभिवृत्ति तथा	वर्णनात्मक संकेतक

	आज्ञाकारिता प्रोत्साहित होगी?	मूल्यों के मूल्यांकन को रखने का मुख्य उद्देश्य छात्रों के एकीकृत तथा संतुलित व्यक्तित्व का विकास करना है। विद्यालय की ओर से यह अपेक्षित है कि वह इस प्रयोजन के लिए अनुकूल परिस्थितियों तथा प्रेरणाप्रद वातावरण का सृजन करके छात्रों में वास्तविक स्व–अनुशासन की भावना जागृत करे।	
35.	सभी विषयों के लिए समान पूर्ण ग्रेडिंग में अंतर–विषयक विभिन्नताओं का ध्यान नहीं रखा गया है, उदाहरण के लिए गणित और भाषा आदि	यह स्टेकहोल्डरों/सांझेदारों द्वारा आसानी से समझ में आने योग्य है।	पूर्ण ग्रेडिंग
36.	यदि कोई छात्र योगात्मक परीक्षा के दौरान बीमार हो जाता है, तो क्या वह पुनः परीक्षा दे सकेगा?	जी हां, छात्रों के लिए योगात्मक परीक्षा में शामिल होना अनिवार्य है। तथापि, पुनःमूल्यांकन के लिए समय और पद्धति का निर्णय विद्यालय–स्तर पर लिया जाएगा।	संकलनात्मक मूल्यांकन
37.	क्या योगात्मक मूल्यांकन–II में पूरे वर्ष की पाठ्यचर्या शामिल है?	जी नहीं। योगात्मक मूल्यांकन–II के लिए पाठ्यविवरण में केवल उन्हीं विषयों पर पाठ्यचर्या शामिल है, जिन्हें टर्म–II के दौरान पढ़ाया गया है अर्थात योगात्मक मूल्यांकन–I के पश्चात पढाए गए विषय।	पाठ्यचर्चा
38.	सामान्यतः यह देखा गया है कि शिक्षक उन छात्रों का पक्ष लेते हैं, जो शिक्षण के क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करते हैं। क्या इसके परिणामस्वरूप ऐसी नहीं होगा कि ऐसे छात्र सह–शिक्षण क्षेत्रों में अधिक प्रवीणता न रखने के बावजूद भी इन क्षेत्रों में बेहतर ग्रेड प्राप्त कर लेंगे?	शिक्षकों से यह अपेक्षा की जाएगी कि वे किसी भी छात्र को निश्चित ग्रेड देने के लिए वर्णनात्मक संकेतकों का उल्लेख करें तथा उसका औचित्य भी दें। सह–शिक्षण क्षेत्रों में मूल्यांकन के लिए उपकरणों और तकनीकों में किस छात्र का एक शिक्षक द्वारा मूल्यांकन किए जाने के स्थान पर समूचे दल का मूल्यांकन किया जाना अपेक्षित है। इससे विषयपरकता न्यूनतम होगी। बोर्ड सभी संबंधित मामलों पर विचार–विमर्श करने के लिए शिक्षकों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित कर रहा है।	मूल्यांकन में विषयपरकता
39.	क्या विद्यालय स्तर पर उत्तर–पुस्तिकाओं को अंक दिया जाना उतना ही विषयपरक तथा निष्पक्ष होगा जितना कि बोर्ड की परीक्षाओं में होता है?	आपके अपने विद्यालय के शिक्षक आपके विद्यालय में रहने की संपूर्ण अवधि के दौरान विभिन्न परीक्षाओं की उत्तर–पुस्तिकाओं की जांच कर अंक देते हैं। कक्षा नौ और दस में उत्तर–पुस्तिकाओं में अंक देने में उनकी योग्यता अथवा निष्ठा पर संदेह क्यों उठ रहा है? संदेह होने के मामले	अंक देने में वस्तुपरकता

		में, आप विद्यालय के प्राधिकारियों को उत्तर–पुस्तिकाएं दिखाने तथा इसके अंकों की जांच करने के लिए कह सकते हैं। वस्तुतः विद्यालय–आधारित मूल्यांकन में यह एक अतिरिक्त लाभ है।	
40.	जब सीबीएसई पैटर्न कें अंतर्गत कक्षा दस की परीक्षाएं विद्यालय–आधरित हो जाएंगी, तो क्या मेरे प्रदर्शन अथवा प्रमाण–पत्र को देश के किसी अन्य बोर्ड द्वारा जारी किए गए प्रमाण–पत्र अथवा अंकों के समान माना जाएगा?	प्रत्येक विद्यालय के लिए यह अपेक्षित है कि वह प्रत्येक विषय में प्रश्न–बैंक के माध्यम से सीबीएसई द्वारा उपलब्ध कराए गए प्रश्नों का प्रयोग करते हुए प्रश्न–पत्र तैयार करे। इन मूल्यांकन उपकरणों के शैक्षणिक स्तर ही गुणवत्ता तथा मानक का स्वतः की ध्यान रखा जाएगा। इसके अलावा, विद्यालय द्वारा जारी प्रमाण–पत्र बोर्ड द्वारा समुचित रूप से अधिप्रमाणित किया जाएगा। अतः ऐसी कोई वजह नहीं है कि विद्यालय द्वारा जारी किए गए अंकों अथवा प्रमाण–पत्रों को किसी अन्य बोर्ड द्वारा जारी समान दस्तावेजों के समकक्ष न माना जाए।	प्रमाण–पत्रों की समक्षता
41.	बोर्ड परीक्षाओं के दौरान शिक्षक काफी गंभीर हो जाते हैं तथा अधिक जिम्मेदारी और उत्तरदायित्व के साथ पढ़ाने लगते हैं। क्या यह गंभीरता उस समय भी बनी रहेगी जब बोर्ड की परीक्षाओं को वैकल्पिक कर दिया जाएगा तथा सीसीई को लागू किया जाएगा?	बाहरी परीक्षाओं के भय से अध्यापक और छात्र पाठ्यचर्चा को पूरा करने के लिए निरंतर दबाव में बने रहते हैं। इसके परिणामस्वरूप शिक्षक के अनके महत्वपूर्ण पहलुओं जैसे प्रयोगों को संचालित करना और क्षेत्रीय दौरों का आयोजन करना तथा शिक्षण के तरीके जैसे संदर्भ कार्य, परियोजना कार्य और प्रस्तुतीकरण का पूरी तरह से उपयोग नहीं हो पाता है जो समग्र शिक्षण के लिए हानिकर होता है। अब, जबकि यह दबाव समाप्त हो गया है, शिक्षक शिक्षण को परिपुष्ट बनाने तथा उसका विस्तार करने के लिए सृजनात्मक कार्यकलापों की एक विशाल श्रृंखला तैयार करने में समर्थ रहेंगे। वे ऐसे एसाइन्मेंट्स तैयार करेंगे जो न केवल छात्र को विषय की अवधारणा को बेहतर तरीके से समझने में मदद करेंगे, बल्कि औचित्यपूर्ण एवं निर्णायक चिंतन तथा समस्या समाधान के माध्यम से शिक्षण के उच्च स्तरों को भी प्रोत्साहित करेंगे। बोर्ड ने इस संबंध में विशिष्ट दिशा–निर्देश भी जारी किए हैं, जो शिक्षकों को ऐसे समस्त	शिक्षण के स्तर

		क्रियाकलापों को शामिल करते हुए अपने स्वयं का शैक्षणिक कैलेण्डर तैयार करने में मदद करेंगे।	
42.	क्या आप समझते हैं कि हमारे अध्यापक जीवन–कौशल शिक्षा को आरंभ करने के लिए व्यावसायिक रूप से योग्य तथा विशेष रूप से प्रशिक्षण प्राप्त हैं?	बोर्ड द्वारा जीवन–कौशल शिक्षा तथा छठी से आठवीं कक्षाओं के लिए आरंभ की गई थी तथा वर्ष 2003 में इसे कक्षा छह में शुरू किया गया था। आने वाले वर्षों में इसे आगामी उच्च कक्षाओं सातवीं और आठवीं के लिए भी लागू कर दिया गया। अतः यह पूरी तरह से एक नई अवधारणा नहीं है। बोर्ड ने अब समूचे देश में शिक्षकों तथा प्राचार्यों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों की योजनाबद्ध श्रृंखला आरंभ की है ताकि इस अवधारणा को समझने और क्रियान्वित करने में उन्हें सहायता मिल सके।	जीवन–कौशल शिक्षा
43.	छात्र–शिक्षक अनुपात का समाधान किस प्रकार किया जाएगा?	जी हां, सक्रिय शिक्षण अनुभव प्रदान करने तथा छात्रों का मूल्यांकन करने के संदर्भ में हम सभी के सामने आ रहीं अनेक चुनौतियों में से एक यह भी है। तथापि, स्थानीय स्तर पर पहले से ही इस मुद्दे पर विचार–विमर्श करके तथा इस दिशा में रक्षोपायों का पता लगाकर कि विद्यमान मापदण्डों और बाधाओं के बीच अपेक्षित उद्देश्यों की पूर्ति कितनी बेहतर ढंग से की जा सकती है, उपयुक्त कार्यनीतियों को तैयार किया जा सकता है। सामूहिक क्रियाकलापों का संवधर्न इस दिशा में बड़ी संख्या में छात्रों की आवश्यकाताओं का ध्यान रखने में एक पद्धति साबित हो सकती है।	कक्षा का आकार
44.	नए प्रवेश के मामले में सीसीई रिपोर्ट कार्ड की वैधता और विश्वसनीयता का मूल्यांकन कैसे किया जाएगा?	अनवरत और व्यापक मूल्यांकन स्कीम में विद्यालयों के लिए अत्यधिक स्वायत्तता तथा अत्यधिक उत्तरदायित्व की संकल्पना की गई है। इसके अलावा यह छात्रों को अंक तथा ग्रेड प्रदान करने में अधिक वस्तुपरकता की मांग भी करती है। बोर्ड एक प्रश्न बैंक तैयार कर रहा है, जिसे प्रत्येक विषय पर प्रश्न–पत्र तैयार करने के लिए विद्यालयों को उपलब्ध कराया जाएगा। अंक प्रदान करने की स्कीम भी बोर्ड द्वारा ही उपलब्ध कराई जाएगी। इससे गुणवत्ता और स्तर का ध्यान रखा	सीसीई कार्ड की वैधता

		जाएगा। सह–शिक्षण क्षेत्रों में मूल्यांकन के लिए विद्यालयों को विस्तृत दिशा–निर्देश भी उपलब्ध कराए जा रह हैं। ऐसी कोई वजह नहीं है कि ऐसी परिस्थितियों के अंतर्गत सीसीई रिपोर्ट कार्ड की वैधता और विश्वसनीयता पर संदेह किया जाएगा।	
45.	ऑनलाइन परीक्षा के लिए मानदण्ड क्या है?	ऑनलाइन परीक्षा के विवरणों को आकलित किया जा रहा है तथा उन्हें जल्द ही विद्यालयों को उपलब्ध कराया जाएगा। यह विद्यार्थी की पसंद तथा अवसंरचना की उपलब्धता पर निर्भर होगी।	ऑनलाइन परीक्षा
46.	यदि शिक्षक मुझे अच्छा नहीं मानते हैं, तो क्या तब भी मैं अच्छे अंक या ग्रेड हासिल कर पाऊंगा?	शिक्षक छात्रों के हितैषी होते हैं आपको अपनी क्षमता और व्यवहार पर तथा आपके प्रति शिक्षक के रवैये पर पूरा विश्वास होना चाहिए। अपनी कक्षा के विद्यार्थियों के साथ तथा अपने शिक्षकों के साथ भली–भांति जुड़कर ही सामाजिक रिश्तों की पकड़ मजबूत बनती है। ऐसी कोई वजह नहीं है कि कोई शिक्षक आपको नापसंद करेगा। विद्यालय आधारित वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन से संबंधित इन मामलों पर शिक्षकों तथा प्राचार्यों के प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान अलग से चर्चा भी की जा रही है।	मूल्यांकन में वस्तुनिष्ठता
47.	क्या मुझे पढ़ाई में मेरे बालक के प्रदर्शन तथा प्रगति के विषय में निरंतर सूचित किया जाएगा?	अपने बालकों की वास्तविक क्षमता को मुखर बनाने में अभिभावक विद्यालयों के साथ सक्रिय सहभागी होते हैं। हालांकि शैक्षणिक सत्र के दौरान दो बार छात्र के प्रदर्शन की औपचारिक रिपोर्ट दी जाती है, सीसीई में अभिभावक–शिक्षक बैठकों (पीटीएम) आदि के माध्यम से अभिभावकों के साथ नियमित संपर्क का प्रावधान किया गया है।	प्रदर्शन की सूचना
48.	मेरे बालक के विद्यालय में शिक्षक नृत्य, संगीत तथा कला प्रतियोगिताओं में केवल उन्हीं छात्रों को चुनते हैं, जो पहले भी इन प्रतियोगिताओं में भाग ले रहे होते हैं तथा पुरस्कार जीत रहे होते हैं, तथा वे नए छात्रों को मौका नहीं देते। मेरे बालक को ऐसे किसी भी क्रियाकलाप में भाग लेने का एक भी अवसर नहीं मिला। ऐसे समस्त क्रियाकलापों में मेरे	जैसाकि 'सह–शिक्षण क्षेत्रों' के बारे में सीसीई के दिशा–निर्देशों के अध्याय 3 में निर्दिष्ट किया गया है, सीसीई की स्कीम न केवल सह–शिक्षण क्षेत्रों में शिक्षण के अर्जित स्तरों पर आवश्यक फीडबैक उपलब्ध कराती है, बल्कि यह अनिवार्य जीवन–कौशलों, अभिवृत्तियों और मूल्यों, विभिन्न शिक्षणेत्तर क्रियाकलापों में रुचियों और उपलब्धियों के अर्जन में सीखने वाले	अनिवार्य सहभागिता

	बालक का आकलन किस प्रकार किया जाएगा?	की प्रवीणता पर भी समान बल प्रदान करती है। विद्यालयों को निदेश दिए गए हैं कि वे विभिन्न स्तरों पर अर्थात अनुभाग कक्षा, हाउस, विद्यालय और अंतर–विद्यालय आदि के स्तरों पर आयोजित उनकी पसंद के विभिन्न शिक्षेणत्तर कार्यक्रमों में भाग लेने के प्रत्येक छात्र को भरपूर अवसर प्रदान करें।	
49.	मेरे बालक के विद्यालय में, कक्षाध्यापक मेरे बालक को पसंद नहीं करते हैं। क्या इससे मेरे बालक का मूल्यांकन प्रभावित होगा?	शिक्षण तथा सह–शिक्षण पहलुओं का मूल्यांकन केवल एक शिक्षक द्वारा नहीं किया जाता है, बल्कि यह परीक्षा के अंकों, विभिन्न क्रियाकलापों में सहभागिता, प्रेक्षण निष्कर्षों आदि के आधार पर छात्रों को पढ़ाने वाले शिक्षकों के दल द्वारा किया जाता है। अतः पक्षपातपूर्ण मूल्यांकन किए जाने के अवसर बहुत ही कम हैं।	मूल्यांकन वस्तुनिष्ठता
50.	क्या परीक्षाओं तथा क्रियाकलापों में अपना निरंतर प्रदर्शन दर्शाने के लिए मेरे बालक पर दबाव बढ़ जाएगा? क्या इससे उसकी सृजनात्मकता प्रभावित नहीं होगी तथा इस भावना पर प्रभाव नहीं पड़ेगा कि वह क्या बनना चाहता है?	बेहतर तरीके से तैयार की गई अनवरत और व्यापक मूल्यांकन स्कीम के माध्यम से किसी भी छात्र को शिक्षण तथा सह–शिक्षण क्षेत्रों में अपना प्रदर्शन सुधारने तथा अपनी पसंद के क्षेत्रों में अपनी सृजनात्मकता व्यक्त करने के पर्याप्त अवसर प्राप्त होंगे। अपने पसंद के विषयों का अध्ययन करके तथा दैनिक जीवन की स्थितियों में शिक्षण का प्रयोग करके और अपनी पसंद के शौक को पूरा करके उसे अपनी पहचान मिलेगी तथा उसकी छिपी हुई प्रतिभा को मुखर होने में सहायता प्राप्त होगी और उसे स्वयं के वास्तविक व्यक्तित्व को पहचानने में मदद मिलेगी।	सीसीई स्कीम और सृजनात्मकता
51.	बोर्ड अभिभावकों से क्या अपेक्षा करता है ताकि उससे उनके बालकों को अधिकतम लाभ प्राप्त हो सके?	अभिभावकों से अपेक्षा की जाती है कि वे सीसीई स्कीम के दर्शन का गहन अध्ययन करें तथा अपने बालक के संतुलित व्यक्तित्व विकास के लिए विद्यालय के समस्त कार्यक्रमों और क्रियाकलापों के क्रियान्वयन में शिक्षकों को सहयोग दें। अभिभावकों के लिए यह भी आवश्यक है कि वे विभिन्न क्रियाकलापों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए अपने बालकों को प्रोत्साहित और प्रेरित करें।	अभिभावकीय जागरूकता
52.	क्या अभिभावकों के लिए भी कोई	सीबीएसई विभिन्न स्टेकहोल्डरों के	अभिभावकीय

	परामर्श सत्र आयोजित किया जाएगा?	साथ संपर्क सत्रों का आयोजन कर रहा है। विद्यालयों को परामर्श दिया गया है कि वे सीसीई स्कीम के विभिन्न पहलुओं पर अभिभावकों के साथ परामर्श–सत्र आयोजित करें। बोर्ड सभी संबंधित मामलों पर स्पष्टीकरण प्रदान करने के लिए एक हैल्पलाइन भी उपलब्ध करा रहा है।	जागरूकता
53.	अभिभावक सीसीई का अनुपालन सच्ची भावना के साथ न किए जाने के विरूद्ध रिपोर्ट कहां कर सकते हैं?	अभिभावक सीबीएसई के संबंधित क्षेत्रीय अधिकारी को लिख सकते हैं। वे इस विषय पर अध्यक्ष के साथ संपर्क करने के लिए बोर्ड की वेबसाइट पर उपलब्ध ऑनलाइन सुविधा का उपयोग भी कर सकते हैं।	सीसीई की मॉनीटरिंग
54.	सीसीई कार्ड में अनेक सह–शिक्षण क्षेत्र तथा क्रियाकलाप शामिल हैं। इसमें क्रियाकलाप आयोजित करने के लिए विद्यालय की समय–अनुसूची में से काफी प्रतिशत में समय की आवश्यकता भी होगी। क्या इसके परिणामस्वरूप विभिन्न विषयों को पढ़ाने के लिए समय में कटौती नहीं होगी?	विद्यालय अपने छात्रों में विविध कौशलों को प्रोत्साहित करने के लिए विद्यालय के लिए निश्चित समय–सारणी में से पहले ही विभिन्न क्रियाकलापों का आयोजन कर रह हैं। सीसीई की स्कीम के क्रियान्वयन के साथ ही उन्हें अपेक्षित एवं विशिष्ट क्षेत्रों में अधिक बल एवं ध्यान प्रदान करने के साथ अपेक्षाओं की पूर्ति करने के लिए विद्यमान मॉडलों को केवल पुनः तैयार करने की आवश्यकता होगी।	समय प्रबंधन
55.	कक्षा नौ में सीसीई कार्ड नहीं दिए गए हैं?	सीसीई कार्ड सम्मिश्रित कार्ड हैं तथा यह कक्षा नौ और दस के लिए है जिसमें शिक्षण एवं सह–शिक्षण क्षेत्रों में शिक्षणार्थी के प्रदर्शन और उपलब्धि को प्रतिबिंबित किया जाएगा। वर्तमान कक्षा नौ की रिपोर्ट कार्ड की प्रति पहले ही दे दी गई है अथवा उपलब्ध करा दी जाएगी। कार्ड का प्रपत्र सीबीएसई की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।	सीसीई कार्ड
56.	ऐसे विद्यालयों में जहां कक्षा ग्यारह में सभी विषय–धाराएं उपलब्ध नहीं कराई जाती हैं, जैसे यदि किसी विद्यालय में मानविकी धारा नहीं है, वहां ऐसे विषयों की पसंद करने वाले छात्र की सहायता किस प्राकर की जाएगी?	या तो विद्यालय कक्षा ग्यारह में इन अतिरिक्त विषयों को प्रदान कर सकते हैं, अथवा सीसीई कार्ड के साथ छात्र किसी अन्य सीबीएसई से संबद्ध विद्यालय में प्रवेश ले सकते हैं।	कक्षा ग्यारह में प्रवेश
57.	जब कोई छात्र कक्षा नौ से दस में एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में जाता है, तो कौन सा क्षेत्रीय अधिकारी/प्राचार्य कार्ड पर हस्ताक्षर करेगा?	स्वाभाविक रूप से रिपोर्ट कार्ड पर पहले विद्यालय के प्राचार्य द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे। कक्षा नौ की रिपोर्ट कार्ड पर क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा हस्ताक्षर किए जाने की कोई	रिपोर्ट कार्ड पर हस्ताक्षर

		आवश्यकता नहीं है। तथापि कक्षा दस के सीसीई कार्ड पर उस क्षेत्र के क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे, जहां दूसरा विद्यालय स्थित है।	
58.	बालक उसी विद्यालय में रहना चाहता है, परंतु अपनी परीक्षा ऑनलाइन देना चाहता है। उसके अभिभावकों का नौकरी स्थानांतरणीय है। वह कौन सी परीक्षा देगा?	उसके लिए परामर्शनीय है कि वह विद्यालय आधारित परीक्षा दे जिसे बोर्ड द्वारा विधिवत रूप से अधिप्रमाणित किया जाएगा। संबद्धक विद्यालयों को अनुदेश जारी किए जाएंगे कि वे अन्य विद्यालयों में दाखिले सहित सभी प्रयोजनों के लिए ऐसे सभी विद्यालय आधारित मूल्यांकन प्रमाण–पत्रों को स्वीकार कर लें।	परीक्षाओं का विकल्प
59.	क्या विद्यार्थी प्रश्न–बैंक के लिए सीबीएसई की वेबसाइट का अवलोकन कर सकते हैं?	प्रत्येक विषय के लिए प्रश्न–बैंक तैयार किया जा रहा है। कक्षा नौ के लिए प्रत्येक विषय पर नमूना प्रश्न–पत्र सीबीएसई की वेबसाइट पर उपलब्ध है।	प्रश्न–बैंक
60.	लिखित परीक्षा के रूप में रचनात्मक मूल्यांकन में, विद्यार्थियों को अंक दिए जाने के पश्चात उनकी उत्तर–पुस्तिकाएं दे दी जाएंगी। क्या इन उत्तर–पुस्तिकाओं में अंक अथवा ग्रेड दर्शाए जाने चाहिए?	चूंकि शिक्षक रचनात्मक मूल्यांकन के लिए विभिन्न उपकरणों और तकनीकी का प्रयोग करेंगे, यह परामर्शीय है कि प्रारंभ में उत्तर–पुस्तिकाओं पर अंक प्रदान किए जाएं। विभिन्न तकनीकों के माध्यम से मूल्यांकन में दिए गए अंक जोड़े जा सकते हैं। विभिन्न मूल्यांकनों के लिए ग्रेड दिया जाना तथा और ग्रेड का आकलन करना इतना आसान नहीं होगा।	मूल्यांकन को अंक दिया जाना।
61.	क्या बोर्ड कक्षा नौ की रिपोर्ट कार्डों के लिए लेखन–सामग्री उपलब्ध कराएगा?	कक्षा नौ के लिए नहीं। बोर्ड ने नमूना रिपोर्ट–कार्ड तैयार किया है जिसे सभी विद्यालयों को उनके स्तर पर प्रयोग करने के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है। यह सीबीएसई की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।	कक्षा नौ की रिपोर्ट कार्ड
62.	परिपत्र में यह उल्लिखित है कि मार्च 2011 पाठ्यचर्चा दस्तावेज में प्रकाशित पाठ्यविवरण पर आधारित होगी। परंतु प्रश्न–पत्र के पैटर्न के बारे में कोई उल्लेख नहीं किया गया है। कृपया स्पष्ट करें।	सीसीई स्कीम के अंतर्गत हाल के परिवर्तनों के परिप्रेक्ष्य में, मार्च 2011 के लिए पाठ्यचर्चा और प्रश्न–पत्र के सत्र–वार विवरणों का आकलन किया जा रहा है। कृपया कुछ समय प्रतीक्षा करें।	प्रश्न–पत्र
63.	यदि इस वर्ष कक्षा दस बोर्ड में शामिल होने वाला कोई छात्र अनुत्तीर्ण हो जाता है, क्या उसे पुनः बोर्ड परीक्षा में बैठना परीक्षाओं की नई स्कीम के अनुसार आगे चलना होगा?	उसे केवल विद्यमान बोर्ड परीक्षा स्कीम के अंतर्गत ही प्रबंधित किया जाएगा।	प्रोन्नति नियम

64.	महोदय, मैं इस वर्ष आयोजित कक्षा बारहवीं की गैर–चिकित्सा विषयक परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो गया हूं। एक निजी उम्मीदवार के रूप में, मैं कम्प्यूटर विषय को किसी अन्य विषय के साथ बदलना चाहता हूं। इसके लिए क्या प्रक्रिया है?	विद्यमान परीक्षा नियमों के अनुसार, विषय के परिवर्तन, जैसाकि आपके द्वारा अपेक्षा की गई है, की अनुमति नहीं है।	विषय का परिवर्तन
65.	मेरा पुत्र वाणिज्य विषय में कक्षा बारहवीं में पढ़ रहा है। वह अतिरिक्त छठे विषय के रूप में अर्थशास्त्र को रखना चाहता है। विद्यालय प्रशासन इसकी अनुमति नहीं दे रहा है? इस संबंध में क्या किया जाए?	किसी भी छात्र को एक विषय दो वर्ष तक अवश्य ही पढ़ा होना चाहिए। अतः नियमों के अनुसार, वह इस अवस्था में नए विषय की पेशकश करने के लिए पात्र नहीं है।	विषय का परिवर्तन
66.	यह दावा किया जा रहा है कि कक्षा दस बोर्ड परीक्षा हटाने से तनाव कम होगा। क्या यह बेहतर नहीं होगा कि छात्रों को तनाव का सामना करने के लिए तैयार किया जाए और उन्हें मजबूत नागरिक बनाया जाए?	परीक्षा के कारण और विशेष रूप से अतिसंवेदनशील आयु एवं अवस्था के दौरान विद्यार्थियों पर अत्यधिक तनाव डालना निश्चित ही परामर्शनीय नहीं है। उन्हें शैक्षणिक उत्कृष्ट के लिए प्रेरित करने के लिए और भी बेहतर पद्धतियां मौजूद हैं इनमें से एक है, मेधावी छात्रों के लिए चुनौतीपूर्ण कार्यों एवं परिस्थितिों का सृजन। भयपूर्ण स्थिति की तुलना में एक सहायक और मैत्रीपूर्ण वातावरण में बेहतर अधिगम–प्रक्रिया संचालित होती है।	परीक्षा तनाव
67.	महोदय, अभिभावक मुख्य रूप से सीबीएसई की ठोस पाठ्यविवरण अवसंरचना और परीक्षा पैटर्न के स्थान पर अपने बच्चों को सीबीएसई के संबद्ध विद्यालयों में दाखिल करना पसंद करते हैं। केरल बोर्ड द्वारा ग्रेडिंग प्रणाली की शुरूआत की अभिभावकों द्वारा सराहना नहीं की गई थी। सीबीएसई द्वारा आरंभ की गई नई ग्रेडिंग प्रणाली का भी वही हश्र हो सकता है?	कृपया परिपत्रों का सावधानीपूर्वक अवलोकन करें। ये सीबीएसई की वेबसाइट **www.cbse.nic.in** पर उपलब्ध हैं। न तो पाठ्यचर्या में ही कटौती की जाएगी और न ही परीक्षाओं के स्तर में कमी आएगी। बोर्ड द्वारा तैयार किए गए प्रश्न–पत्रों का विद्यालयों द्वारा प्रयोग किया जाएगा। पाठ्यचर्या को पुनःगठित किया जा रहा है परंतु उसे कम नहीं किया जा रहा है। ग्रेडिंग प्रणाली निश्चित रूप से अधिक ठोस है।	ग्रेडिंग प्रणाली
68.	महोदय, भारत को इसकी कठोर परंतु, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए जाना जाता है। हाल ही में आरंभ किए गए परिवर्तन भारत में शिक्षा के स्तर को बुरी तरह नीचे गिराएगा। क्या यह एक अवनति भरा कदम नहीं है?	माध्यमिक अवस्था पर पाठ्यचर्या को पुनःगठित किया गया है, परंतु निश्चित रूप से इसे कम नहीं किया गया है। प्रश्न–पत्रों के पैटर्न और सार का निर्णय बोर्ड द्वारा लिया जाएगा। तब शिक्षा का स्तर निम्न कैसे होगा? कृपया स्मरण रहे कि विद्यालय किसी कोचिंग केन्द्र की तुलना में अत्यंत भिन्न होते हैं। यह कदम समूचे देश में	सीसीई स्कीम

		किए गए पर्याप्त परामर्शों के पश्चात उठाया गया है तथा नई स्कीम शिक्षार्थी के साकल्यपरक विकास पर ध्यान केन्द्रित करती है।	
69.	एक अभिभावक होने के नाते मेरी अनेक आशंकाएं हैं। क्या विद्यालय स्तर पर उत्तर–पुस्तिकाओं को अंक दिया जाना विषयपरक नहीं होगा? क्या ग्रेडिंग प्रणाली शैक्षणिक दृष्टि से उत्कृष्ट छात्रों को हतोत्साहित करने वाली नहीं है? क्या इस स्कीम को आरंभ करने से पूर्व बोर्ड को अभिभावकों और छात्रों से अधिदेश प्राप्त नहीं करना चाहिए था?	नई स्कीम का समूचे देश में परामर्श किए जाने के पश्चात लागू किया गया है तथा इसमें शिक्षा की गुणवत्ता और स्तर का ध्यान रखा गया है। क्या आप नहीं समझते कि विद्यार्थी शिक्षा का उद्देश्य केवल अंक अथवा ग्रेड देना ही नहीं है बल्कि एक सुव्यवस्थित रूप से तैयार व्यक्तित्व का विकास करना है? पहले भी इस बात की अनुशंसा अनेक शिक्षा विशेषज्ञों द्वारा की गई है। विद्यालय स्तर पर उत्तर–पुस्तिकाओं को अंक देने में विषयपरकता सुनिश्चित करने के लिए बोर्ड मार्किंग–स्कीम भी विकसित कर रहा है तथा शिक्षकों के लिए और अधिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है।	मूल्यांकन में विषयपरकता
70.	81 अंक अथवा 90 अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को समान A-2 ग्रेड प्रदान किया जाएगा। यह किस प्रकार औचित्यपूर्ण है?	छात्रों के मूल्यांकन के लिए ग्रेडिंग प्रणाली का प्रयोग करना उन्हें संख्यात्मक अंक दिए जाने की तुलना में शैक्षणिक दृष्टि से अधिक बेहतर है। ग्रेडिंग प्रणाली वर्तमान में मूल्यांकन में प्रयोग में लाए जा रहे उपकरणों और तकनीकों में विद्यमान अपूर्णताओं को दूर करती है।	ग्रेडिंग
71.	यदि बोर्ड की परीक्षाएं वैकल्पिक बना दी जाती हैं तो बाहरी परीक्षाओं के कारण छात्रों पर कोई दबाव नहीं होता। क्या इसके परिणामस्वरूप शैक्षणिक उपलब्धियों में गिरावट नहीं आएगी?	बोर्ड की पाठ्यचर्चा पर आधारित परीक्षाएं फिर भी विद्यमान रहेंगी। प्रश्न–पत्रों का पैटर्न और स्तर पर भी बोर्ड द्वारा ही निर्णय लिया जाएगा। इससे शिक्षण के स्तर का ध्यान रखा जाएगा। बोर्ड की परीक्षाओं के कारण उठने वाले दबावों से भी अधिक छात्रों को प्रोत्साहित एवं प्रेरित करने के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए और भी अधिक बेहतर पद्धतियां विद्यमान हैं।	स्तरों में गिरावट
72.	मैं कक्षा दस का छात्र हूं। बोर्ड ने इस वर्ष से ग्रेडिंग प्रणाली आरंभ की है। क्या किसी छात्र के अंकों के प्रतिशत को जानना भी संभव है?	जी नहीं। प्रत्येक छात्र के प्रदर्शन के विवरण में केवल ग्रेड ही दर्शाए जाएंगे।	ग्रेडिंग
73.	क्या मार्च 2010 की कक्षा दस परीक्षा में बैठने वाले छात्रों को बोर्ड अलग से अंक तालिका जारी करेगा?	बोर्ड ग्रेडों के रूप में किसी छात्र के प्रदर्शन का विवरण जारी करेगा। पूर्व की प्रक्रिया की ही भांति अलग से	ग्रेड

		कक्षा दस अर्हता प्रमाण–पत्र भी जारी किया जाएगा।	
74.	सीबीएसई इस वर्ष छात्र को केवल ग्रेडों का विवरण जारी करेगा जिसमें छात्र के कक्षा दस के प्रदर्शन को दर्शाया जाएगा। मैं अपने पुत्र को कक्षा–ग्यारह में किसी अन्य सीबीएसई विद्यालय में दाखिल करना चाहता हूं, क्या मुझे इस प्रयोजन के लिए बोर्ड को संख्यात्मक अंकों के लिए अनुरोध करना होगा? अथवा उसे वैकल्पिक परीक्षा लेनी होगी?	जी नहीं, प्रवेश छात्र द्वारा प्राप्त किए गए ग्रेडों पर आधारित होगा। सभी छात्रों, पर जिसमें दूसरे विद्यालय से आए छात्र भी शामिल हैं, को उनके प्रदर्शन के संकेतकों के रूप में ग्रेड दिए जाएंगे।	कक्षा ग्यारह में प्रवेश
75.	मैं कक्षा दस का छात्र हूं। मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या सभी विषयों को शामिल करते हुए कोई समग्र ग्रेडिंग होगी? क्या किसी छात्र को अधिकतम लगभग 91 अथवा 92 प्रतिशत तक अंक प्राप्त करने की ही आकांक्षा करनी चाहिए क्योंकि वह उच्चतर ए 1 ग्रेड के बराबर होगा?	जी नहीं, इसमें कोई समग्र ग्रेडिंग नहीं होगी। याद रखें कि आपको अधिकतम शिक्षण करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी, न कि केवल अधिक अंकों अथवा उच्चतम ग्रेड के लिए 92 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाला छात्र वास्तव में 100 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले छात्र की तुलना में बहुत अधिक खराब नहीं होता है।	ग्रेडिंग
76.	कुछ प्रवेश परीक्षाओं के लिए पात्रता के मानदण्ड के तौर पर बोर्ड परीक्षा में प्राप्त अंकों को दर्शाना अनिवार्य होता है। यह किस प्रकार संभव होगा?	प्रवेश परीक्षा की पात्रता मानदण्डों में सामान्यतः कक्षा–बारहवीं की बोर्ड परीक्षा में प्राप्त अंकों की आवश्यकता होती है। तथापि, यदि ऐसी कोई स्थिति उठती भी है, तो कक्षा–दस परीक्षा मे प्राप्त किए गए वास्तविक अंकों को भी विद्यालय के प्राचार्य के माध्यम से अग्रेषित किए गए अलग अनुरोध द्वारा बोर्ड से प्राप्त किया जा सकता है। आने वाले वर्षों में प्रात्रता मानदण्डों को ग्रेडों के ही संदर्भ में रूपांतरित भी कर दिया जाएगा।	प्रवेश परीक्षा
77.	क्या ग्रेडिंग प्रणाली की शुरूआत ऐसे छात्रों के लिए हतोत्साहित करने वाली नहीं होगी जो ए.आई.ई.ई.ई., आई.आई.टी.–जे.ई.ई., ए.आई.पी.एम.टी. अथवा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग लेना चाहते हैं?	ग्रेडिंग कक्षा दस स्तर पर शुरू की जा रही है, न कि कक्षा बारह के स्तर पर। प्रतियोगी परीक्षाओं को उत्तीर्ण करने के लिए तैयारी करने वाले छात्रों को निचली कक्षाओं से ही गहनता के साथ तैयारी करनी होगी तथा वे किसी भी अवस्था पर इसमें ढील नहीं दे सकते हैं।	प्रतियोगी परीक्षाएं
78.	मैं विद्यालय मनोचिकित्सक हूं। क्या किसी बालक को सामाजिक कौशलों तथा संवेदनशील कौशलों जैसे क्षेत्रों में आकलन करना उचित है जिनके लिए कोई भी आगत उपलब्ध नहीं	एक मनोचिकित्सक के नाते आप यह समझते होंगे तथा इससे सहमत होंगे कि अपेक्षित सामाजिक कौशलों और संवेदनशील कौशलों का विकास का व्यक्ति के जीवन में बहुत महत्व है।	जीवन कौशल

	है। इसके अलावा, इन कौशलों के लिए पर्यावरणीय कारक भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं जिनके लिए छात्रों को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है।	एक बार जब इन्हें मूल्यांकन स्कीम का भाग बना दिया जाएगा, तो विद्यालय निश्चित रूप से विद्यार्थियों को इन कौशलों को अर्जित करने के लिए सहायक परिवेश तथा विशिष्ट शिक्षण अनुभव उपलब्ध कराएंगे। विद्यालयों को भी इसी के विषय में बताया जा रहा है।	
79.	मैं समझता हूं कि शैक्षणिक वर्ष को दो अवधियों में विभाजित किया गया है। क्या पहली अवधि में पढ़ा दिए गए विषयों को भी दूसरी अवधि की परीक्षा में शामिल किया जाएगा?	जी नहीं।	पाठ्यचर्या
80.	महोदय, क्या कक्षा नौ की मार्च 2010 को होने वाली परीक्षा में पूरी पाठ्यचर्या शामिल की जाएगी अथवा इसका एक भाग शामिल होगा। क्या हमें कक्षा दस के लिए टर्म–वार पाठ्यचर्या शैक्षणिक सत्र 2010–11 के लिए अग्रिम रूप में उपलब्ध करा दी जाएगी?	कक्षा नौ की मार्च 2010 को होने वाली परीक्षा में पाठ्यचर्या का केवल एक ही भाग शामिल किया जाएगा। इससे संबंधित जानकारी पहले ही सीबीएसई की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आगामी शैक्षणिक सत्र के लिए कक्षा दस की अवधिवार पाठ्यचर्चा को अंतिम रूप दे दिया गया है तथा उसे विद्यालयों को जल्द ही उपलब्ध करा दिया जाएगा	पाठ्यचर्या
81.	महोदय, परिपत्रों के अनुसार प्रत्येक अवधि में दो रचनात्मक मूल्यांकन होंगे। हमारे विद्यालय ने पहले ही एसाइन्मेंटों और प्रयोगों के साथ दो यूनिट परीक्षाएं आयोजित कर ली हैं। क्या इन परीक्षाओं के मूल्यांकन को नई स्कीम के अंतर्गत महत्व दिया जाएगा।	जी हां, कृपया परिपत्र सं0 42 तथा शिक्षण–नियमावली का अवलोकन करें। रचनात्मक मूल्यांकन में यूनिट परीक्षाएं, परियोजना कार्य, एसाइनमेंट्स, प्रयोग कार्य आदि शामिल हैं।	रचनात्मक मूल्यांकन
82.	मेरी पुत्री इस समय एक वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में कक्षा–नौ में पढ़ रही है। कृपया मुझे बताएं कि अगले साल कक्षा दस में कौन सी मूल्यांकन स्कीम लागू की जाएंगी। क्या वह निजी–हित के लिए कक्षा–दस में सार्वजनिक परीक्षा में बैठ सकती है? वह कक्षा ग्यारह में अपने विषयों का चयन कैसे करेगी?	जी नहीं, परंतु यदि वह स्वयं का मूल्यांकन बाहर से कराना चाहती है, तो वह प्रवीणता प्ररीक्षा दे सकती है। आगामी वर्ष के लिए कक्षा–दस मूल्यांकन स्कीम 'सीसीई स्कीम' पर आधारित होगी जिसमें शैक्षणिक स्तरों में कोई कमी किए बगैर बालक के व्यक्तित्व के अनेक तथ्य शामिल हैं। कक्षा–ग्यारह में विषयों का चयन सीसीई कार्ड तथा अभिवृत्ति परीक्षा (यदि ली गई है) के आधार पर किया जा सकता है।	कक्षा ग्यारह में प्रवेश
83.	हमारा विद्यालय गाजियाबाद उ0प्र0 में एक वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय है। प्रत्येक वर्ष, प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए बेहतर तैयारियां करने के	जी नहीं, सीबीएसई से संबद्ध सभी विद्यालय सभी प्रयोजनों के लिए किसी भी अन्य विद्यालय द्वारा जारी सीसीई रिपोर्ट कार्ड को महत्व देंगे। कृपया	कक्षा ग्यारह में प्रवेश

	उद्देश्य से कुछ विद्यार्थी दिल्ली में अन्य विद्यालयों में स्थानांतरित हो जाते हैं। क्या ये विद्यार्थी कक्षा दस की बोर्ड परीक्षाओं में बैठ सकते हैं जिससे कि अन्य विद्यालयों में उनको दाखिला आसानी से हो सके?	यह स्मरण रखें कि किसी अन्य विद्यालय में आपका दाखिला मात्र अंकों अथवा ग्रेडों के स्थान पर आपकी वास्तविक शैक्षणिक उत्कृष्टता पर भी निर्भर करेगा।	
84.	मैं एक अभिभावक हूं तथा साथ ही एक मनोचिकित्सक भी हूं और मैं नियमित रूप से छात्रों एवं अभिभावकों के संपर्क में रहता हूं। गैर–शिक्षण क्षेत्रों में, विशेष रूप से कुछ शिक्षकों की ओर से वैयक्तिक भेदभाव और पक्षपात के मामलों में बोर्ड मूल्यांकन में वस्तुनिष्ठता किस प्रकार सुनिश्चित कर सकता है?	सह–शिक्षण क्षेत्रों में छात्रों का मूल्यांकन शिक्षकों के एक दल द्वारा किया जाएगा, न कि किसी एक शिक्षक द्वारा। इससे आपकी आशंका का समाधान हो जाएगा। इसके अलावा, किसी भी असंतोष के मामले में आप सदैव ही विद्यालय के प्राचार्य से संपर्क कर सकते हैं।	मूल्यांकन में वस्तुनिष्ठता
85.	महोदय, बोर्ड की परीक्षाएं समाप्त करके बोर्ड वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के कक्षा दस के छात्रों के तनाव को कम करने की बात कर रहा है। माध्यमिक विद्यालयों के कक्षा दस के छात्रों पर विद्यमान तनाव का क्या होगा? क्या यह भेदभाव नहीं है?	बोर्ड ने पहला कदम उठा लिया है तथा यह आपकी टिप्पणी और सुझाव पर विचार करेगा। आने वाले वर्षों में स्कीम और आगे और भी रूपांतर किए जाएंगे।	परीक्षा तनाव
86.	यह जानकार अच्छा लगा कि कमजोर छात्रों के प्रदर्शन में सुधार लाने के लिए बोर्ड द्वारा कदम उठाए गए हैं। परंतु उन मेधावी छात्रों का क्या होगा जो शैक्षणिक क्षेत्र में चमकदार प्रदर्शन करना चाहते हैं तथा श्रेष्ठ कॉलेजों अथवा व्यावसायिक संस्थाओं में प्रवेश पाना चाहते हैं? क्या यह सुझाव दिया गया है कि बोर्ड ग्रेड कार्ड में छात्र के कुल सकल अंकों को भी इंगित करेगा ताकि इससे उसके कॉलेज में प्रवेश को आसानी हो सके?	यह बात स्पष्ट रूप से समझ ली जाए कि ग्रेडिंग प्रणाली केवल माध्यमिक अवस्था पर ही आरंभ की गई है। कॉलेजों अथवा व्यावसायिक संस्थाओं में प्रवेश वरिष्ठ माध्यमिक अवस्था के पश्चात ही किए जाते हैं जहां प्रत्यक्ष संख्यात्मक अंक प्रदान किए जा रहे हैं। नई स्कीम के कारण शैक्षणिक उपलब्धियों में कमी नहीं की जा रही है। केवल पाठ्यचर्या को पुनः तैयार किया गया है तथा बोर्ड द्वारा परीक्षा पैटर्न और स्तर का ध्यान रखा जाएगा।	कॉलेजों में प्रवेश
87.	अनेक शिक्षक उनके स्वयं के छात्रों को ही वैयक्तिक कोचिंग और ट्यूशनें देने में शामिल हैं। क्या नई स्कीम यह सुनिश्चित करेगी कि ऐसे शिक्षक ऐसे छात्रों को लाभ प्रदान करने के कार्य में शामिल न हो सकें?	उत्तर–पुस्तिकाओं को अंक एक निश्चित अंक–स्कीम का अनुपालन करते हुए ही दिए जाएंगे। रचनात्मक मूल्यांकन दो अथवा तीन विभिन्न उपकरणों और तकनीकों पर आधारित होगा। इससे संभावित पक्षपात कम होगा। इसके अलावा, उत्तर–पुस्तिकाएं छात्रों को वापस कर दी जाएंगी जो किसी भी संदेह के मामले में सदैव की प्राचार्य से संपर्क कर सकते हैं।	मूल्यांकन में वस्तुनिष्ठता

		सह–शिक्षण क्षेत्रों में मूल्यांकन एक शिक्षक के स्थान पर शिक्षकों के एक दल द्वारा किया जाएगा।	
88.	सीसीई की नई स्कीम के अंतर्गत बोर्ड सह–शिक्षण क्षेत्रों में छात्रों के मूल्यांकन में पारदर्शिता कैसे सुनिश्चित करेगा? शिक्षकों पर विशेष रूप से ऐसे शिक्षकों को, जो तथाकथित प्रतिष्ठित अथवा नामी विद्यालयों में कार्य कर रहे हैं, उच्चतर ग्रेड देने के लिए दबाव डाला जाएगा, अन्यथा उन्हें अलग प्रकार के मानसिक अपमान झेलने होंगे।	पारदर्शिता के लिए आपके सुझाव को नोट कर लिया गया है तथा बोर्ड इस दिशा में कदम उठाएगा। सह–शिक्षण क्षेत्रों में मूल्यांकन किसी एक शिक्षण के स्थान पर शिक्षकों के एक दल द्वारा किया जाएगा। अभिभावकों के लिए भी यह आवश्यक है कि वे सह–शिक्षण क्षेत्रों मे अपने बालकों के वस्तुपरक मूल्यांकन के सापेक्ष गुणों के विषय में संवेदनशील बने रहें।	मूल्यांकन में पारदर्शिता
89.	महोदय, मैं एक अभिभावक हूं तथा मुझे नई लागू हुई सीसीई स्कीम के बारे में कई आशंकाएं हैं, जैसेः	सही चिंताएं उठाने के लिए आपका धन्यवाद।	
	क) क्या विद्यालयों में सभी शिक्षक एक गैर–पक्षपातपूर्ण तथा गैर–निर्णयात्मक तरीके से सह–शिक्षण क्षेत्रों में छात्रों का मूल्यांकन करने के लिए व्यावसायिक दृष्टि से सज्जित हैं।	क) प्रयास किए जा रहे हैं तथा इन्हें अपेक्षित शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आयोजित करने के लिए जारी रखा जाएगा।	सह–शिक्षण क्षेत्रों में वस्तुपरकता
	ख) कुछ विद्यालय आपने शिक्षकों को बार–बार बदल देते हैं। ऐसे विद्यालयों में अभिभावक सह–शिक्षण क्षेत्रों में मूल्यांकन पर भरोसा कैसे कर सकते हैं।	ख) यह आशा की जाती है कि विद्यालय नई स्कीम की आवश्यकताओं को समझेंगे। ऐसी स्थितियों को न्यूनतम करने के लिए विद्यालयों को निर्देश जारी किए जाएंगे।	सह–शिक्षण क्षेत्रों में वस्तुपरकता
	ग) पाठ्यचर्चा में शामिल विभिन्न विषयों को पढ़ाने में विद्यालय कैलेण्डर का अत्यधिक समय बीत चुका है। शिक्षक एसाइनमेंट्स और परियोजना कार्य दे देते हैं, जिसे एक यांत्रिक तरीके से छात्रों द्वारा विद्यालय समय के पश्चात किया जा रहा है। चर्चाओं, विचार–विमर्श, प्रश्नोत्तरी अथवा कमजोर या मेधावी छात्रों को अतिरिक्त सहायता देने के लिए समय नहीं दिया जाता है। यहां तक कि परियोजनाएं तथा एसाइन्मेंट्स भी इंटरनेट की सहायता से अभिभावकों द्वारा किए जाते हैं। इस अनियमितता का ध्यान कैसे रखा जाएगा? कृपया स्पष्ट करें।	ग) अनेक विद्यालय सीसीई की स्कीम शुरू होने से भी पूर्व अपेक्षित क्रियाकलाप सफलतापूर्वक कार्यान्वित कर रहे थे। उन्हें सीसीई की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपनी समय–सारणी को पुनः तैयार करना होगा। शिक्षकों को निश्चित रूप से पाठ्यचर्चा की योजना बनाने के लिए इस तरह से सोचना होगा जिससे सक्रिय और एकीकृत शिक्षण अनुभवों के लिए पर्याप्त समय अलग रखा जा सके। शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम इनमे से कुछ मुद्दो का समाधान करेगा।	सक्रिय शिक्षण अनुभाग

90.	मैं माध्यमिक विद्यालयों के भविष्य के बारे में जानना चाहता हूं। इन विद्यालयों के छात्र किस आधार पर अन्य बोर्डों में प्रवेश पाएंगे? क्या अभिभावक अपने बालकों को माध्यमिक विद्यालयों में दाखिला दिलाने में हिचकेंगे नहीं?	माध्यमिक विद्यालयों के भविष्य के बारे में कोई आशंका क्यों उठ रही है? वर्तमान स्कीम के अनुसार इन विद्यालयों में पढ़ रहे छात्रों के लिए नियमित बोर्ड परीक्षा होगी। बोर्ड परीक्षाओं में छात्रों द्वारा प्राप्त किए गए अंकों का प्रयोग किसी अन्य विद्यालय में प्रवेश लेने के लिए किया जाएगा। इसके अलावा, सभी विद्यालय सीसीई कार्ड को महत्व प्रदान करेंगे। यहां तक कि अन्य राज्यों के शिक्षा बोर्ड भी इस संबंध में विद्यालयों को आवश्यक निर्देश जारी करने पर कार्य कर रहे हैं। आपकी दूसरी आशंका सही प्रतीत नहीं होती है।	कक्षा ग्यारह में प्रवेश
91.	क्या सीसीई केवल कक्षा नौ और दस में ही क्रियान्वित की जाएगी? अथवा अन्य कक्षाओं में भी।	माध्यमिक अवस्था तक सभी कक्षाओं में। छठी से आठवीं कक्षाओं के लिए विस्तृत दिशा–निर्देश सभी विद्यालयों को शीघ्र ही उपलब्ध करा दिए जाएंगे।	छठी से आठवीं में सीसीई
92.	क्या कक्षा दस सीसीई कार्य बोर्ड की ओर से उपलब्ध कराए जाएंगे? क्या कक्षा छठ से आठ के लिए भी यही ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाएगी?	जी हां, कक्षा दस सीसीई कार्ड बोर्ड द्वारा ही विद्यालयों को भेजे जाएंगे। छठी से आठवीं कक्षाओं में ग्रेडिंग कुछ अलग होगी। इसके विवरणों को अंतिम रूप दिया जा रहा है तथा इन्हें जल्दी ही सभी विद्यालयों में उपलब्ध करा दिया जाएगा।	सीसीई कार्ड
93.	कक्षा पहली से आठवीं तक के लिए सीसीई की किस प्रणाली का अनुपालन किया जाएगा?	एक से पांच तक कक्षाओं में छात्रों के लिए व्यापक मूल्यांकन की स्कीम पहले ही विकसित की गई थी तथा इसे विद्यालयों को उपलब्ध करा दिया गया था। इसी स्कीम का अनुपालन जारी रहेगा। कक्षा छठ से आठ के लिए सीसीई की नई स्कीम विकसित की गई है तथा इसे जल्दी ही सभी विद्यालयों में उपलब्ध करा दिया जाएगा।	निचली कक्षाओं में सीसीई
94.	क्या नौ-दस कक्षाओं में अथवा और भी निचली कक्षाओं में सीसीई की शुरूआत के कारण परीक्षाएं वैकल्पिक बनाई गई हैं अथवा पूरी तरह रद्द कर दी गई हैं?	कक्षा नौ-दस में सीसीई की शुरूआत का अर्थ परीक्षाओं को रद्द करना नहीं है। इसके स्थान पर, विद्यालय–आधरित परीक्षाएं नियमित एवं आवधिक अंतरालों पर आयोजित की जाएंगी। आप इसी के संबंध में परिपत्र सं. 30 और 40 का अवलोकन करें जो सीबीएसई की वेबसाइट **www.cbse.nic.in** पर भी उपलब्ध है। इसी प्रकार, निम्न कक्षाओं में,	परीक्षा

		विद्यालय–आधारित परीक्षाएं भी नियमित अंतरालों पर आयोजित की जाएंगी। निचली कक्षाओं के लिए नई स्कीम विद्यालयों को शीघ्र ही उपलब्ध करा दी जाएंगी।	
95.	महोदय, मैं आपके ध्यान में लाना चाहता हूं कि ग्रेडिंग प्रणाली छात्रों के भविष्य को प्रभावित कर सकती है क्योंकि उनमें से अधिकांश छात्र बोर्ड की परीक्षाओं के भय के अभाव में पढ़ाई करना बंद कर देंगे। मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि आप ग्रेडिंग प्रणाली शुरू न करें।	मैत्रीपूर्ण तथा सहायक परिस्थितियों के अंतर्गत बेहतर शिक्षण किया जा सकता है। छात्रों को शिक्षण के प्रति प्यार के लिए ही पढ़ाई करनी चाहिए तथा सीखना चाहिए न कि परीक्षाओं के भय के कारण। याद रखें कि केवल वे विद्यार्थी ही जीवन में अत्यंत उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हें जिन्हें पढ़ाई तथा स्व–अधिगम के प्रति लगाव है। इसके अलावा, शिक्षण क्षेत्रों में उच्च ग्रेड प्राप्त करने के लिए भी उच्च अंक हासिल करने की आवश्यकता होती है। विद्यालयों तथा साथ ही अभिभावकों को यह बात छात्रों को स्पष्ट कर देनी चाहिए कि निचली कक्षाओं में अवधारणा की गहन समझ उन्हें बाद में आने वाली अवस्थाओं में बेहतर प्रदर्शन करने में सहायता प्रदान करेगी।	स्तर का गिरना
96.	महोदय, छात्रों के मन में यह भावना है कि ग्रेडिंग प्रणाली शुरू किए जाने से कोई भी छात्र अनुत्तीर्ण नहीं होगा। अतः शिक्षा के स्तर का क्षय होगा। प्रोन्नति नियमों में अत्यधिक ढील दिए जाने से शिक्षा का स्तर कम होगा। कृपया स्पष्ट करें।	नई स्कीम की शुरूआत का यह अर्थ नहीं है कि छात्रों को पढ़ने की आवश्यकता नहीं रहेगी। इसके स्थान पर उन्हें पूरे वर्ष की पढ़ाई करनी होगी। प्रत्येक छात्र को अगली कक्षा में प्रोन्नति के लिए सह–शिक्षण क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल करने के साथ–साथ उपयुक्त ग्रेड भी प्राप्त करने अपेक्षित होंगे। नई स्कीम के अंतर्गत प्रोन्नति नियमों को अंतिम रूप प्रदान किया जा रहा है तथा इन्हें जल्द ही विद्यालयों को उपलब्ध करा दिया जाएगा।	प्रोन्नति नियम
97.	रचनात्मक मूल्यांकन के लिए क्या मापदण्ड होंगे?	रचनात्मक मूल्यांकन का अर्थ है शिक्षण–अधिगम प्रक्रियाओं (विकासात्मक अवस्था) के दौरान छात्रों का मूल्यांकन। इसमें छात्रों को सीखने में आ रही कठिनाइयों के क्षेत्रों की पहचान करने तथा उपचारात्मक हस्तक्षेप करने पर बल प्रदान करने तथा उपचारात्मक हस्तक्षेप करने पर बल प्रदान किया जाना चाहिए जिसके परिणामस्वरूप उनकी अधिगम प्रक्रिया का संवर्धन होगा। रचनात्मक मूल्यांकन	रचनात्मक मूल्यांकन

		को केवल कागज–कलम तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि इसमें अन्य उपकरणों और तकनीकों का प्रयोग भी किया जाना चाहिए जैसे परियोजना कार्य, एसाइन्मेंट्स, प्रयोग कार्य आदि। आप अधिक विस्तार के लिए सीबीएसई की वेबसाइट पर परिपत्र सं0 42 का अवलोकन करें।	
98.	कक्षा IX के एक टर्म के दौरान कितनी परीक्षाएं आयोजित की जानी चाहिए? प्रत्येक परीक्षा के लिए अंकों का वितरण क्या होगा? प्रयोग कार्य में छात्रों का मूल्यांकन कैसे किया जाएगा?	प्रत्येक टर्म के दौरान दो रचनात्मक मूल्यांकन तथा एक योगाात्मक मूल्यांकन होगा। प्रत्येक योगात्मक मूल्यांकन को 10 प्रतिशत महत्व दिया जाएगा जबकि योगात्मक मूल्यांकन I और योगात्मक मूल्यांकन II क्रमशः 20 प्रतिशत और 40 प्रतिशत महत्व के होंगे। प्रयोग तथा क्रियाकलाप कार्य के मूल्यांकन के लिए कृपया परिपत्र सं0 42 का अवलोकन करें।	महत्व
99.	मैं कक्षा नौ का छात्र हूं। कक्षा नौ में हमारी कितनी परीक्षाएं होंगी तथा प्रत्येक परीक्षा के लिए कितने अंक होंगे?	छह माह की अवधि वाले एक टर्म में दो रचनात्मक मूल्यांकन तथा एक योगात्मक मूल्यांकन होगा। एक टर्म के दौरान, आपका मूल्यांकन यूनिट परीक्षाओं, परियोजना कार्य, एसाइनमेंटों और प्रयोग कार्य (रचनात्मक मूल्यांकन) के आधार पर किया जाएगा। प्रत्येक टर्म की समाप्ति पर, आपका मूल्यांकन लिखित परीक्षा के आधार पर किया जाएगा। संपूर्ण टर्म के आपके प्रदर्शन के आधार पर समग्र ग्रेड प्रदान किए जाएंगे। अधिक जानकारी के लिए आप सीबीएसई वेबसाइट पर परिपत्र सं0 42 का अवलोकन करें।	कक्षा नौ की परीक्षा
100.	रचनात्मक व योगात्मक मूल्यांकन के लिए होने वाली कागज–कलम वाली परीक्षा की समयावधि कितनी है?	रचनात्मक मूल्यांकन में लिखित परीक्षा की अवधि विषय–वस्तु कवरेज पर निर्भर रहेगी तथा यह 15 मिनट तक चलेगी। प्रत्येक विषय में योगात्मक मूल्यांकन की अवधि लगभग 3–3.5 घंटे होगी। सभी विषयों में कक्षा नौ की मार्च परीक्षा (योगात्मक मूल्यांकन) के लिए नमूना प्रश्न–पत्र सीबीएसई वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।	समय अवधि
101.	विज्ञान प्रयोग और एम.सी.क्यू. में मूल्यांकन योगात्मक मूल्यांकन के अंतर्गत हैं अथवा रचनात्मक मूल्यांकन	हैंड्स–ऑन प्रयोग परीक्षा वर्तमान में रचनात्मक मूल्यांकन के अंतर्गत है जबकि प्रयोग कौशलों में एम.सी.क्यू.	विज्ञान प्रयोग

	के अंतर्गत?	विज्ञान प्रश्न–पत्र में योगात्मक मूल्यांकन का एक भाग है।	
102.	छात्रों को कक्षा नौ में टर्म–वार पैटर्न में पढ़ाया जाएगा। कक्षा दस में उन्हें वार्षिक परीक्षा के लिए पूरी पाठ्यचर्या पढ़नी होगी। क्या यह औचित्यपूर्ण है?	वर्ष 2010–11 से कक्षा दस में टर्म–वार प्रणाली का भी अनुपालन किया जाएगा। कक्षा दस के लिए टर्म–वार पाठ्यचर्या को अंतिम रूप प्रदान कर दिया गया है तथा इसे शीघ्र ही विद्यालयों को उपलब्ध करा दिया जाएगा।	
103.	अर्हता शर्त के रूप में ग्रेड 'डी' के समकक्ष न्यूनतम 33 प्रतिशत उत्तीर्णांक अपेक्षित हैं। एक शैक्षणिक वर्ष में कुल रचनात्मक मूल्यांकन महत्व 40 प्रतिशत है। कोई छात्र किसी भी योगात्मक मूल्यांकन में बैठे बगैर ही अर्हता शर्त की पूर्ति कर सकता है। क्या इसकी अनुमति है?	जी नहीं, योगात्मक मूल्यांकन में शामिल होना अनिवार्य है। इसके अलावा, रचनात्मक मूल्यांकन का यह अर्थ नहीं है कि छात्र सदैव ही उच्च अंक प्राप्त कर लेगा। इसे छात्र के प्रदर्शन पर एक फीडबैक के रूप में कार्य करना होगा, अतः यह वस्तुपरक तथा यथार्थ होना चाहिए।	आवश्यक अर्हताएं
104.	क्या वर्तमान में कक्षा नौ के छात्रों के पहले टर्म के अंकों और प्रदर्शन को छात्रों को दी जाने वाली नई रिपोर्ट कार्ड में शामिल किया जाएगा?	जी हां, परंतु इसे दिए गए प्रपत्र के अनुरूप ही कार्ड में परिलक्षित किया जाना चाहिए। कृपया संबंधित विवरणों तथा दो अलग–अलग विकल्पों के लिए परिपत्र सं 42 का अवलोकन करें।	कक्षा नौ की रिपोर्ट कार्ड
105.	महोदय, यह भय है कि सह–शिक्षण क्षेत्रों में छात्रों का मूल्यांकन विषयपरक होगा तथा छात्रों को प्रदान किए गए ग्रेडों को शिक्षकों द्वारा किए गए भेदभाव और उनकी व्यक्तिगत राय प्रभावित करेगी। हम इस महत्वपूर्ण मुद्दे का समाधान किस प्रकार करेंगे?	सह शिक्षण क्षेत्रों में छात्रों का मूल्यांकन शिक्षकों के एक दल द्वारा किया जाएगा। इसके विषयपरकता न्यूनतम हो जाएगी। इसके अतिरिक्त, ग्रेडों का औचित्य वर्णनात्मक संकेतकों से सिद्ध करना होगा। इससे मूल्यांकन में वस्तुपरकता में वृद्धि होने में मदद मिलेगी।	अतिरिक्त विषय
106.	कृपया सूचित करे कि क्या कक्षा नौ की पाठ्यचर्या संशोधित की गई है और क्या चालू शैक्षणिक सत्र के लिए कक्षा नौ के लिए उत्तर–पुस्तिकाओं का अंक बोर्ड द्वारा प्रदान किए जाएंगे।	कक्षा नौ की सभी विषयों की पाठ्यचर्या को दो टर्मों में बांटा गया है। मार्च, 2010 की कक्षा नौ की परीक्षा टर्म–II की पाठ्यचर्या पर आधारित होगी। यह सीबीएसई की वेबसाइट पर उपलब्ध है। बोर्ड कक्षा नौ की परीक्षा के प्रश्न–पत्र तथा अंकीय–स्कीम तैयार करेगा। हालांकि, उत्तर–पुस्तिकाओं को अंक विद्यालय स्तर पर प्रदान किए जाएंगे।	उत्तर–पुस्तिकाओं का मूल्यांकन
107.	कृपया स्पष्ट करें कि क्या कक्षा नौ में पांच अनिवार्य विषयों के अलावा, एक अतिरिक्त विषय जैसे कम्प्यूटर विज्ञान, गृह विज्ञान आदि लेना अनिवार्य है, जैसाकि नई रिपोर्ट कार्ड	जी नहीं, अतिरिक्त विषय अनिवार्य नहीं है।	अतिरिक्त विषय

	के प्रपत्र में उल्लेख किया गया है।		
108.	महोदय, क्या उत्तर–पुस्तिकाओं को अंक उसी विद्यालय में प्रदान किए जाएंगे अथवा विद्यालयों और जिलों के बीच उत्तर–पुस्तिकाओं का आदान–प्रदान किया जाएगा? क्या शिक्षक अपने स्वयं के विद्यार्थियों की उत्तर–पुस्तिकाओं को अंक देते समय निष्पक्ष रहेंगे?	उत्तर पुस्तिकाओं को अंक उसी विद्यालय में बोर्ड द्वारा प्रदान कराई गई अंकीय–स्कीम का प्रयोग करते हुए प्रदान किए जाएंगे। इससे वस्तुपरकता में सुधार आएगा। बोर्ड द्वारा अंकों का यादृच्छिक सत्यापन भी किया जाएगा। वस्तुपरकता में वृद्धि करने के लिए विद्यालय स्तर पर अन्य पद्धतियां भी अपनाई जा सकती हैं जैसे विद्यालय स्तर पर शिक्षकों का आदान–प्रदान अथवा उत्तर–पुस्तिकाओं पर गोपनीय कोड देना आदि।	मूल्यांकन में वस्तुपरकता
109.	महोदय, मैं पेशे से पत्रकार हूं, तथा स्टेकहोल्डरों के मन में व्याप्त भ्रांतियों को दूर करने का प्रयास कर रहा हूं। कृपया निम्न को स्पष्ट करें:–		
	क) रचनात्मक मूल्यांकन 1 और 2 के लिए अलग–अलग पाठ्यचर्या कहां से प्राप्त की जा सकती है?	क) बोर्ड ने पाठ्यचर्या को दो टर्मों में विभाजित किया है। विद्यालयों को कुछ लचीलेपन तथा स्वायत्तता प्रदान किए जाने की आवश्यकता है। अतः प्रत्येक रचनात्मक के लिए पाठ्यचर्चा अलग–अलग विद्यालयों में कुछ अलग हो सकती है।	रचनात्मक मूल्यांकन के लिए पाठ्यचर्या
	ख) बोर्ड कक्षा परीक्षाओं पर बल क्यों दे रहा है जब पहले से ही दो अलग–अलग रचनात्मक मूल्यांकन उपलब्ध हैं।	ख) जी नहीं, बोर्ड कक्षा परीक्षाओं की संख्या पर बल नहीं दे रहा है। यह सुझाव दिया जाता है कि रचनात्मक मूल्यांकन के लिए विभिन्न उपकरणों और तकनीकों का प्रयोग किया जाए। सभी उपकरणों का प्रयोग करना आवश्यक नहीं है। विद्यालय रचनात्मक मूल्यांकन के लिए कोई से दो अथवा तीन सुझाए गए उपकरणों का प्रयोग कर सकता है।	रचनात्मक मूल्यांकन
	ग) क्या हम रचनात्मक मूल्यांकन के माध्यम से पार्श्विक चिंतन आरंभ कर सकते हैं।	ग) जीवन–कौशल अवयव के माध्यम से छात्रों के चिंतन कौशलों का ध्यान रखा गया है जोकि मूल्यांकन का एक अनिवार्य क्षेत्र है। तथापि, आप का सुझाव बहुत अच्छा है और प्रत्येक शिक्षक को उपयुक्त अधिगम अनुभव प्रदान करके शिक्षण में चिंतन–कौशलों के संवर्धन का ध्यान रखने की आवश्यकता है। इस पर प्रशिक्षण	चिंतन कौशल

		कार्यक्रमों के दौरान ध्यान दिया जाएगा।	
110.	महोदय, कक्षा नौ-दस में ग्रेडिंग प्रणाली की शुरूआत से, क्या अभी भी मार्च से पूर्व कक्षा नौ की पाठ्यचर्या को पूरा करना तथा तत्काल ही कक्षा दस की पढ़ाई को शुरू करना आवश्यक है, जैसाकि पहले से चली आ रही प्रथा है।	बिलकुल नहीं। समूचा समय उस टर्म के लिए आशयित पाठ्यचर्या को पढ़ाने तथा शिक्षणेत्तर क्रियाकलाप आयोजित करने पर दिए जाने की आवश्यकता है। पाठ्यचर्या को जल्दी–जल्दी पढ़ाना तथा इसे निर्धारित समय से काफी पहले ही समाप्त कर देना निश्चित रूप से शैक्षणिक दृष्टि से उचित नहीं है।	पाठ्यचर्या के लिए समयावधि
111.	सीसीई स्कीम कक्षा नौ में इस वर्ष दूसरे टर्म से आरंभ की गई थी। क्या समग्र ग्रेडिंग के लिए छात्रों के टर्म–1 में किए गए प्रदर्शन पर भी विचार किया जाएगा।	आप स्पष्टीकरण के लिए परिपत्र सं0 42 का अवलोकन करें। विद्यालयों को इस संबंध में दो विभिन्न विकल्प दिए गए हैं। यदि अपेक्षित मापदण्ड के अनुसार मूल्यांकन किया गया है तथा उसे रिकार्ड किया गया है, तो उसे रिपोर्ट कार्ड में दर्शाया जाना चाहिए। वैकल्पिक तौर पर दूसरे विकल्प का प्रयोग किया जाए। फिर भी, प्रत्येक विद्यालय को बोर्ड द्वारा दिए गए प्रपत्र के अनुसार कक्षा नौ की रिपोर्ट कार्ड जारी करनी अपेक्षित है।	कक्षा नौ की रिपोर्ट कार्ड
112.	मैं एक अभिभावक हूं तथा जानना चाहता हूं कि क्या केवल शैक्षणिक रूचि रखने वाला और शिक्षणेत्तर क्रियाकलापों में बिलकुल भी रूचि न रखने वाला और उन्हें पसंद न करने वाला कोई छात्र नई सीसीई स्कीम की शुरूआत के पश्चात नुकसान की स्थिति में नहीं रहेगा? क्या मेरे बालक के लिए सह–शिक्षण क्षेत्रों में रूचि में संवर्धन करने और ग्रेडों में सुधार लाने के लिए बाहर की कोचिंग की आवश्यकता होगी?	आप इस बात से सहमत होंगे कि एक एक–दिशीय विकास की तुलना में व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास निश्चित तौर पर कही बेहतर है। सीसीई स्कीम का उद्देश्य छात्रों के विकास में मदद करना तथा उनके व्यक्तित्व के सभी प्रमुख आयामों में संवृद्धि करना है। यह परामर्श दिया जाता है कि आप अपने बालक को प्रेरित करें तथा उसके भीतर व्यक्ति के जीवन में शिक्षणेत्तर क्रियाकलापों में सहभागिता तथा उसमें उपलब्धियां हासिल करने के महत्व के बारे में जागरूकता का सृजन करें। इन क्षेत्रों में अतिरक्ति कोचिंग की कोई आवश्यकता नहीं है।	शिक्षणेत्तर क्षेत्र
113.	महोदय मैं ओमान सल्तनत में वरिष्ठ माध्यमिक भारतीय विद्यालय अल सीब का प्राचार्य हूं। मैं नई स्कीम और प्रस्तावित परीक्षा संशोधनों के बारे में निम्न आशंकाएं स्पष्ट करना चाहता		

	हूं:– क) जब कक्षा दस की परीक्षाएं वैकल्पिक बन जाएंगी, तो एक विद्यालय में एक ही कक्षा में छात्रों की दो श्रेणियां बन जाएंगी। जो छात्र विद्यालय बदलना चाहते हैं, उन्हें बोर्ड की परीक्षा में बैठना होगा। अन्य जो उसी विद्यालय में पढ़ना चाहते हैं, इससे बाहर रहेंगे। क्या यह स्थिति भ्रम तथा असमानता पैदा नहीं करेगी?	क) ऐसे छात्र जो वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ रहे हैं, बोर्ड की परीक्षा नही देंगे। इस संबंध में कोई विकल्प नहीं है।	कक्षा दस की परीक्षाएं वैकल्पिक
	ख) यह बताया गया है कि बोर्ड विद्यालयों को कक्षा दस के लिए सीसीई कार्ड भेजेगा तथा विद्यालय को उनमें ग्रेडों की प्रविष्टि करनी होगी तथा हस्ताक्षर के लिए वापस बोर्ड को भेजना होगा। क्या ये प्रविष्टियां हाथ से की जाएंगी अथवा इन्हें मुद्रित कराना होगा? यह कैसे सुनिश्चित किया जाएगा कि किसी बाद की अवस्था में कार्ड में की गई प्रविष्टियों से छेड़छाड़ न होने पाए?	ख) इसे मुद्रित भी किया जा सकता है। यह सुनिश्चित करने के लिए एक पद्धति विकसित की जा रही है कि कार्ड की प्रविष्टियों से छेड़छाड़ न होने पाए।	सीसीई कार्ड
	ग) वर्तमान में कुछ छात्रवृत्तियों कक्षा X बोर्ड परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर प्रदान की जाती हैं। क्या सीबीएसई के छात्र इनसे वंचित नहीं रह जाएंगे क्योंकि उन्हें केवल ग्रेड ही प्राप्त होंगे?	ग) ऐसे कुछ विशिष्ट मामलों में, बोर्ड से अंक प्राप्त किए जा सकते हैं।	छात्रवृत्ति
	घ) चूंकि वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र बोर्ड की परीक्षा में नहीं बैठेंगे, यह संभव है कि अधिकाधिक छात्र वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों को ही तरजीह दें तथा माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ने वालों की संख्या में कमी हो जाए। इस स्थिति को नियंत्रण में कैसे रखा जाएगा?	घ) यह आशंका काल्पनिक प्रकृति की प्रतीत होती है। अभी इस संबंध में कोई भी टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी।	कक्षा दस वैकल्पिक
114.	महोदय, मैं कक्षा दस का छात्र हूं और दोहा, कतर में एक सीबीएससी से संबद्ध विद्यालय में पढ़ रहा हूं। मैं जानना चाहता हूं कि मुझे नई स्कीम के अंतर्गत कक्षा बारह तक अपना	इसमें उतना ही सामान्य समय लगेगा जितना कि अभी तक किसी अन्य छात्र द्वारा लिया जा रहा है।	समय–सीमा

	अध्ययन पूरा करने के लिए कितना समय अपेक्षित होगा?		
115.	बोर्ड द्वारा मार्च 2010 की कक्षा दस और कक्षा बारह की परीक्षाएं कब आयोजित की जाएंगी? क्या राष्ट्रमंडल खेलों के कारण समय–सूची में कोई परिवर्तन है?	मार्च 2010 की कक्षा दस और कक्षा बारह के आयोजन की समय–सूची में कोई परिवर्तन नहीं है। ये दोनों ही परीक्षाएं 03 मार्च, 2010 से आरंभ हो जाएंगी। इनके लिए समय–सारणी अधिसूचित की जा चुकी है।	कक्षा दस/बारह की परीक्षाएं
116.	क्या सीबीएसई सत्र 2010–2011 के लिए कक्षा नौ और कक्षा दस हेतु रचनात्मक मूल्यांकन के लिए प्रश्न–बैंक तैयार करेगा?	जी हां, बोर्ड प्रश्न–पत्र बैंक तैयार करेगा।	प्रश्न–पत्र बैंक
117.	क्या शिक्षकों को इस बात की अनुमति है कि वे कक्षा नौ का रचनात्मक मूल्यांकन के लिए विद्यालयों को उपलब्ध कराए गए प्रश्न–पत्रों में प्रश्न जोड़ सकते हैं?	विद्यालयों अथवा शिक्षकों को प्रश्न–पत्रों में प्रश्न जोड़ने की अनुमति नहीं है।	प्रश्न–पत्र
118.	मैं कक्षा दस के छात्र का अभिभावक हूं तथा मेरे निम्नलिखित प्रश्न हैं, कृपया स्पष्ट करें:		
	क) क्या कक्षा नौ की मार्च 2010 की परीक्षाएं समस्त पाठ्यचर्या पर आधारित होंगी अथवा पाठ्यचर्या के एक भाग पर?	क) कक्षा नौ की मार्च 2010 की परीक्षा केवल केवल टर्म–II की पाठ्यचर्या पर आधारित होगी। इसे सीबीएसई की बेबसाइट पर उपलब्ध करा दिया गया है।	कक्षा नौ की पाठ्यचर्या
	ख) क्या कक्षा दस के लिए टर्म–वार पाठ्यचर्या के बारे में हमे पहले से ही बता दिया जाएगा?	ख) जी हां, शैक्षणिक वर्ष 2010–11 के लिए कक्षा दस की टर्म–वार पाठ्यचर्या को अंतिम रूप दे दिया गया है तथा इसे शीघ्र ही उपलब्ध कराया जाएगा।	कक्षा दस की पाठ्यचर्या
	ग) क्या प्रश्न–पत्र बैंक सीबीएसई की वेबसाइट पर उपलब्ध कराया जाएगा?	ग) जी नहीं, प्रश्न–पत्र बैंक को सीबीएसई की वेबसाइट पर नहीं डाला जाएगा। केवल प्रत्येक विषय पर नमूना प्रश्न–पत्र ही सीबीएसई की वेबसाइट पर उपलब्ध होंगे।	प्रश्न–पत्र बैंक
119.	महोदय, मैं एक प्राइवेट शिक्षण–अधिगम केन्द्र का प्राचार्य हूं। हम कक्षा दस के छात्रों की पढ़ाते हैं। कृपया हमें प्रस्तावित परीक्षा सुधारों, ग्रेडिंग प्रणाली तथा कक्षा दस के लिए संशोधित पाठ्यचर्या के बारे में विस्तार से सूचित करें।	सभी विस्तृत विवरण सीबीएसई की वेबसाइट **www.cbse.nic.in** पर सीसीई कार्नर पर उपलब्ध हैं। कृपया किसी अन्य विशिष्ट प्रश्न, यदि कोई हो, के लिए हमें पुनः लिखें।	सीसीई की पूर्ण स्कीम

120.	महोदय, मैंने आपका दिनांक 29 सितम्बर, 2009 का परिपत्र पढ़ा है। मैं यह जानना चाहता हूं कि यदि कोई छात्र एक या अधिक विषयों में ई1 अथवा ई2 ग्रेड प्राप्त करता है, तो क्या वह उसी कक्षा में बैठेगा अथवा अगली कक्षा में? बोर्ड ने सुधार के लिए प्रयासों की संख्या के लिए प्रावधान किए हैं तथा यह इस उत्कृष्ट कदम के लिए प्रशंसा का पात्र है। परंतु इस प्रावधान का उपयोग करते हुए कोई छात्र समय तथा कक्षा ग्यारह की पाठ्यचर्या का नुकसान उठा सकता है। कृपया स्पष्ट करें।	यदि कोई छात्र सुधार के अवसरों का उपयोग करने के पश्चात भी अर्हक ग्रेड हासिल करने में सफल नहीं रहता है, तो वह उसी कक्षा में बैठेगा। नई स्कीम के अंतर्गत प्रोन्नति नीति को अंतिम रूप दिया जा रहा है तथा इसे शीघ्र ही विद्यालयों का उपलब्ध करा दिया जाएगा।	प्रोन्नित नीति
121.	कोई छात्र वर्तमान कक्षा दस में चार मुख्य विषयों में तथा अतिरिक्त विषय में उत्तीर्ण हो जाता है परंतु वह पांचवें मुख्य विषय के सैद्धांतिक पत्र में अनुत्तीर्ण हो जाता है। यदि इस पांचवें पत्र में सैद्धांतिक पत्र में कुल अंक तथा आंतरिक मूल्यांकन में प्राप्त अंक 33 प्रतिशत के बराबर हो जाते हैं, तो क्या छात्र को उत्तीर्ण घोषित किया जाएगा अथवा अनुत्तीर्ण? कृपया स्पष्ट करें।	यदि आप मार्च, 2010 की कक्षा दस की परीक्षा के संदर्भ में कह रहे हैं, तो छात्र को उत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।	प्रोन्नति नियम
122.	यदि कोई छात्र 90.5 प्रतिशत अंक प्राप्त करता है, तो उसे किसी ग्रेड में रखा जाएगा?	जब इस प्रतिशत को पूर्णांक में परिवर्तित किया जाएगा तो यह 91 प्रतिशत बन जाएगा। अतः छात्र को ए1 ग्रेड दिया जाएगा।	ग्रेडिंग प्रणाली
123.	किसी विषय और परीक्षा में एक छात्र 82 प्रतिशत अंक प्राप्त करता है तथा दूसरा 89 प्रतिशत अंक प्राप्त करता है। विद्यमान स्कीम के अनुसार दोनों को ही समान ग्रेड प्राप्त होगा। क्या यह औचित्यपूर्ण है? क्या संख्यात्मक अंकों को दर्शाने वाली उत्तर–पुस्तिका छात्रों को वापस दी जाएगी?	ग्रेडिंग प्रणाली को अंकीय प्रणाली की तुलना में बेहतर माना जाता है क्योंकि यह मूल्यांकन के उपकरणों और तकनीकों में विद्यमान त्रुटियों को दूर करती है। जी हां, संख्यात्मक अंक दर्शाने वाली उत्तर–पुस्तिका छात्रों को दिखाना अच्छी बात है। इससे विद्यालय स्तर पर उत्तर–पुस्तिकाओं पर अंक दिए जाने में वस्तुपरकता और सटीकता में वृद्धि होने की संभावना है।	ग्रेडिंग प्रणाली
124.	मैं एक अभिभावक हूं। वर्तमान में मेरा बालक कक्षा नौ में पढ़ रहा है। मैं जानना चाहता हूं कि क्या वह कक्षा बारह में बोर्ड की परीक्षा देगा? यदि हां, तो कक्षा दस की बोर्ड की	जी हां, आपके बालक के लिए कक्षा बारह में सामान्य रूप से ही बोर्ड की परीक्षा होगी। नई स्कीम में, बालकों को बौद्धिक आयाम सहित विभिन्न आयामों में	तनाव

	परीक्षाओं में शामिल हुए बगैर क्या वह कक्षा बारह की बोर्ड की परीक्षा में बैठते हुए अधिक तनाव की स्थिति में नहीं होगा क्योंकि यह उसकी पहली बोर्ड परीक्षा होगी?	विकसित होने में सहायता प्रदान की गई है। यदि कोई बालक नियमित रूप से पढ़ता है तथा पढ़ाई के प्रति रूचि और शौक विकसित कर लेता है, तो ऐसी कोई वजह नहीं है कि वह किसी भी अवस्था पर पहली बार बाहरी परीक्षा में बैठते समय किसी भी प्रकार के तनाव अथवा दबाव में रहेगा।	
125.	महोदय, ग्रेडिंग प्रणाली की शुरूआत होने के पश्चात भी क्या छात्रों को 0.01 प्रतिशत उपलब्धि प्रमाण–पत्र मिलने जारी रहेंगे।	जी हां, योग्यता प्रमाण–पत्र नए मापदण्डों के आधार पर दिए जाएंगे जिन्हें तैयार करने की प्रक्रिया चल रही है।	योग्यता प्रमाण–पत्र
126.	महोदय, मैं यह सुझाव देना चाहता हूं कि यदि आप वास्तव में चाहते हैं कि छात्र पढ़ाई का आनंद लें, तो सामाजिक विज्ञान का विषय, विशेष रूप से उन छात्रों के लिए जो कक्षा दस के पश्चात भी सामाजिक विज्ञान का विषय पढ़ना चाहते हैं, वैकल्पिक बनाया जाना चाहिए। प्रत्येक छात्र को 'रटने के माध्यम से शिक्षा' के माध्यम से अनेक तथ्यों को याद करना पड़ता है जिससे पढ़ाई अरूचिकर हो जाती है।	आपके सुझाव को ध्यान में रख लिया गया है। परंतु सामाजिक विज्ञान का विषय राष्ट्रीय कोर पाठ्यचर्या का भाग है। बोर्ड इस मामले पर विचार करेगा कि इस विषय को और अधिक रूचिकर तथा आनंददायक कैसे बनाया जाए।	पाठ्यचर्या बोझ
127.	क्या प्रत्येक विषय में हायर आर्डर थिंकिंग स्किल (हॉट्स) प्रश्न होंगे?	जी हां, प्रश्न–पत्र में ऐसे प्रश्न 'रटने के माध्यम से शिक्षा' को हतोत्साहित करेंगे तथा शिक्षण तथा साथ ही शिक्षण प्रक्रिया को मजबूत बनाएंगे।	हॉट्स
128.	क्या कक्षा नौ की अंतिम परीक्षा के लिए विद्यालयों को प्रश्न–पत्र स्वयं तैयार करने होंगे अथवा ये प्रश्न–पत्र विद्यालयों को बोर्ड द्वारा भेजे जाएंगे?	ये प्रश्न–पत्र प्रत्येक विद्यालय को बोर्ड द्वारा उपलब्ध कराए जाएंगे।	प्रश्न–पत्र
129.	महोदय, कृपया उस स्रोत के विषय में बताएं जहां से बोर्ड द्वारा सीसीई पर तैयार की गई तथा परिपत्र में उल्लिखित शिक्षक नियमावली प्राप्त की जा सकती है।	बोर्ड द्वारा सीसीई पर तैयार की गई नियमावली विवरण सीबीएसई की वेबसाइट **www.cbse.nic.in** पर सीसीई कार्नर पर उपलब्ध है।	शिक्षक नियमावली
130.	प्रतिशतता क्या है?	प्रतिशतता छात्रों के उन अंकों का प्रतिशत है जो वे किसी छात्र–विशेष के अंकों से कम प्राप्त करते हैं। उदाहरण के लिए यदि किसी कक्षा में 100 छात्र हैं और 04 छात्र प्रतिशतता शीर्षस्थ (अधिकतम) अंक में एक साथ हैं, तो प्रत्येक ऐसे छात्र का प्रतिशतता दर्जा 96 होगा।	प्रतिशतता
131.	महोदय, यदि दो छात्रों के समान	प्रतिशतता छात्रों के उन अंकों का	प्रतिशतता

	विषय में 87 प्रतिशत और 83 प्रतिशत अंक हैं, तो क्या उनकी प्रतिशतता समान होगी या अलग–अलग?	प्रतिशत है जो वे किसी छात्र–विशेष के अंकों से कम प्राप्त करते हैं। इस मामले में यह अलग–अलग होगी।	